● वर्ष : 17 ● अंक : 219 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 30 मई 2026

भारत-अमेरिका, अंतरिम व्यापार समझौते के करीबः पीयूष गोयल

एजेंसी। न्यूयॉर्क

भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी व्यापार जगत के प्रतिनिधियों से कहा है कि भारत की अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत में ''उत्साहजनक प्रगति'' हुई है और दोनों देश इस पर एक अंतरिम समझौते के करीब पहुंच गये हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार रात को यहां अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत के दिग्गजों के साथ बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि उन्होंने न्यूयॉर्क में एक गोलमेज बैठक के दौरान 50 से ज्यादा वैश्विक व्यापार और उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने अमेरिकी-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसएफ) के सहयोग से किया था। पीयूष गोयल ने कहा कि गोलमेज बैठक में वैश्विक कारोबारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूत विकास

गाथा, सुधार-आधारित कारोबारी माहौल और वैश्विक निवेशकों के लिए बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डाला तथा साझा समृद्धि के लिए भारत-अमेरिका के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार और आपूर्ति-श्रृंखला से जुड़ी साझेदारियों को और अधिक गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। गोयल ने उद्योग जगत के कई प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। मॉर्गन स्टैनली के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टेड पिक के साथ बैठक में उन्होंने भारत में दीर्घकालिक निवेश और संस्थागत साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने वारबर्ग पिंकस के चेयरमैन चिप केय के साथ वैश्विक निवेश परिदृश्य और भारत के उभरते आर्थिक अवसरों पर विचार-विमर्श किया। गोयल ने कहा कि एमनील फार्मास्यूटिकल्स के सह-संस्थापक एवं सह-सीईओ चिंटू पटेल के साथ बैठक में भारत के दवा क्षेत्र में निवेश एवं नवाचार को बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा हुई। इसके अलावा मास्टरकार्ड के सीईओ माइकल मीबैक के साथ गोयल ने डिजिटल वाणिज्य, डिजिटल सुरक्षा और नयी पीढ़ी की भुगतान प्रणालियों में सहयोग बढ़ाने पर विचार किया। यूएसआईएसपीएफ ने भी एक बयान में कहा कि पीयूष गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि निवेशकों का विश्वास, कारोबार की स्थिरता और मजबूत नियामकीय माहौल भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इससे पहले 25 से 27 मई के दौरान पीयूष गोयल के नेतृत्व में 150 से अधिक सदस्यों का व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल कनाडा गया था, जहां वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने निवेश आकर्षित करने, सहयोग बढ़ाने और प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को गति देने के प्रयास किए।

भारत-चीन संबंधः बीजिंग बैठक से सामान्यीकरण की नई उम्मीद

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति को लेकर कूटनीतिक स्तर पर एक और कदम उठाया गया है। बीजिंग में हुई वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन (डब्ल्यूएमसीसी) की अहम बैठक के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने बातचीत को बेहद रचनात्मक और दूरदर्शी बताया। दोनों पक्षों ने एकमत होकर इस बात पर जोर दिया कि सीमा पर शांति और स्थिरता ही समग्र संबंधों को सामान्य बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। साल 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद से दोनों एशियाई देशों के संबंध बेहद तनावपूर्ण बने हुए थे। चार साल तक चले सैन्य गतिरोध के बाद, अब दोनों राष्ट्र आपसी संबंधों को पुनः पटरी पर लाने के लिए प्रयासरत हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की और सीमा पर शांति बनाए रखने की दिशा में हुई प्रगति पर संतोष जाहिर किया। उनका मानना है कि इसी प्रगति ने द्विपक्षीय संबंधों को धीरे-धीरे सामान्य बनाने में मदद की है। बीजिंग में हुई इस बैठक में परिसीमन, सीमा प्रबंधन, नए तंत्रों के विकास और सीमा-पार सहयोग जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत ने सीमा पार बहने वाली नदियों पर अगली विशेषज्ञ-स्तरीय बैठक जल्द बुलाने पर जोर दिया। दोनों देश 24वीं विशेष प्रतिनिधि (एसआर) वार्ता के तहत बनी सहमतियों के आधार पर कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर नियमित संपर्क बनाए रखने पर सहमत हुए। इस कूटनीतिक चर्चा में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) सुजीत घोष ने किया, जबकि चीनी दल की कमान वहां के विदेश मंत्रालय के सीमा और महासागरीय मामलों के विभाग की महानिदेशक हाओ यानकी ने संभाली।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

शेयर बाजार में भारतीय निवेशकों के 13 लाख करोड़ डूबे

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की जो ताजा रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। उसके अनुसार भारतीय शेयर बाजार में पिछले तीन माह में भारी उतार चढ़ाव के कारण निवेशकों के 13 लाख करोड रुपए शेयर बाजार में डूब गए हैं। चौथी तिमाही में निफ्टी 50 में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। भारतीय शेयर बाजार में जिस तरह की गिरावट निरंतर बनी हुई है। उसने भारत के संस्थागत निवेशक वित्तीय संस्थान बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम की चिंताऐं तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। ईरान और अमेरिका के बीच जिस तरह से तनाव बना हुआ है। यह आगे और बढ़ता हुआ दिख रहा है।

दुनिया के अधिकांश देशों में ऊर्जा संकट लगातार बढ़ रहा है। ऊर्जा संकट के कारण अर्थव्यवस्था में भारी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया में एक अलग तरह के आर्थिक संकट को जन्म दिया है। कच्चे तेल और गैस इत्यादि के बढ़ते दाम, उपलब्धता में लगातार कमी से शेयर बाजारों को बुरी तरह से प्रभावित किया है। विदेशी निवेशक भारत से अपना निवेश निकलकर भाग रहे हैं। 2026 एनएसई की जो रिपोर्ट प्रकाशित हुई है।उसके अनुसार सूचीबद्ध कंपनियों में घरेलू निवेशकों की कुल हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है। विदेशी निवेशक लगातार कई वर्षों से मुनाफा वसूली कर रहे थे। भारत का पैसा मुनाफे के रूप में विदेशों में चला गया है। विदेशी निवेश लगातार निकलने के कारण वहीं विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी न्यूनतम स्तर पर आ गई है।

लगातार गिरावट के कारण भारत में घरेलू निवेशकों का फंड घटकर 76. 5 लाख करोड रुपए रह गया है. पिछली तिमाही के आधार पर लगभग 13 फ़ीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो में निवेशकों ने 19.6 अरब डॉलर भारतीय शेयर बाजार से निकाल लिए हैं। सूचीबद्ध कंपनियों में विदेशी निवेशको की हिस्सेदारी घटकर 17 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। जो वर्तमान में चिंता का सबसे बड़ा कारण बन गया है। शेयर बाजार के साथ-साथ विदेशी मुद्रा का संकट भी भारत में बढ़ता चला जा रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार गिर रही है। कच्चे तेल और गैस की कीमतें बढ़ने और डॉलर मुद्रा में भुगतान के कारण आर्थिक स्थिति में बड़ा दबाव देखने को मिल रहा है। चीन से आयात की तुलना में निर्यात बहुत कम है।युवान मुद्रा को लेकर भी लगातार भारतीय अर्थव्यवस्था संकट में फंसती चली जा रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, डॉलर से ज्यादा खराब स्थिति युवान के कारण भारत की अर्थव्यवस्था को झेलना पड़ रही है। चीन से भारत का आयात निर्यात में अंतर बढ़ता चला जा रहा है। राजकोषीय घाटा लगातार बढ़ रहा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

फैसलों में देरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्तः हाईकोर्ट को 3 महीने की समय-सीमा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाईकोर्ट और निचली अदालतों में फैसलों में होने वाली देरी पर कड़ा रुख दिखाया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने न्यायपालिका की मूल जिम्मेदारी बताकर लंबित मामलों को अनिश्चितकाल तक रोकने को अस्वीकार्य किया है। सुप्रीम कोर्ट ने समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण और बाध्यकारी निर्देश जारी किए हैं। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का प्रयोग कर शीर्ष अदालत ने सभी हाईकोर्ट को लंबित मामलों में अधिकतम 3 महीने के अंदर निर्णय सुनाने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि फैसले के मुख्य हिस्से को सुनाने की तिथि ही निर्णय की आधिकारिक तिथि मानी जाएगी। शीर्ष अदालत ने जोर दिया कि हाईकोर्ट देश की प्राथमिक न्यायिक संस्थाएं हैं, जहां लाखों लोग न्याय की उम्मीद से पहुंचते हैं, इसके बाद समय पर निर्णय न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेष रूप से जमानत मामलों में होने वाली देरी पर गहरी चिंता जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि जमानत से जुड़े आदेश उसी दिन या अधिकतम अगले दिन तक जारी किए जाएं। इसके साथ ही, निचली अदालतों को भी निर्देश दिए गए हैं कि नियमित जमानत आदेशों की जानकारी तुरंत संबंधित जेल प्रशासन तक पहुंचाई जाए, ताकि विचाराधीन कैदियों की रिहाई में अनावश्यक विलंब न हो। पीठ ने माना कि कई बार जमानत मिलने के बावजूद तकनीकी और प्रशासनिक बाधाओं के कारण कैदियों को अतिरिक्त समय जेल में बिताना पड़ता है, जो उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

महाराष्ट्र में जहरीली शराब से 15 की मौत, 8 आरोपी गिरफ्तार

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ इलाकों में जहरीली शराब पीने से करीब 15 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। इस भयावह घटना के बाद राज्य और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले पर संज्ञान लेकर 8 संदिग्ध आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि कर बताया है कि पूरे अवैध शराब के इकोसिस्टम का पता लग गया है, जिस पर आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह चौंकाने वाली घटना पुणे के काले पड़ल, हडपसर और पिंपरी-चिंचवाड़ के दापोडी, फुगेवाड़ी जैसे इलाकों से सामने आई है, जहां लोगों ने अवैध रूप से निर्मित जहरीली शराब का सेवन किया। जानकारी के अनुसार, जहरीली शराब का सेवन करने वाले लोगों की हालत अचानक बिगड़ी, उनके मुंह से झाग निकलने लगा और इलाज मिलने से पहले ही कई लोगों ने दम तोड़ दिया। पिंपरी-चिंचवाड़ के दापोडी और फुगेवाड़ी में आठ, जबकि पुणे के काले पड़ल में तीन और हडपसर में दो लोगों की मौत हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस अवैध और स्पिरिट-युक्त शराब को योगेश वानखेड़े नामक व्यक्ति ने तैयार किया था, इस जहरीली शराब को पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ के विभिन्न इलाकों में बेचा गया था। वानखेड़े कथित तौर पर अवैध शराब कारोबार से जुड़ा है और उसके खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी योगेश वानखेड़े का गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

भरभराकर गिरा निर्माणाधीन पुल, 6 मजदूरों की मौत

मृतकों का बढ़ सकता है आंकड़ा, कई मलबे में दबे होने की आशंका

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में देर रात आए तेज आंधी-तूफान के कारण बेतवा नदी पर बन रहे एक बड़े निर्माणाधीन पुल का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। ललपुरा क्षेत्र के मोराकांडर और परसनी (कुरारा इलाका) को आपस में जोड़ने के लिए बनाए जा रहे इस 900 मीटर लंबे पुल के ढहने से एक बड़ा हादसा हो गया है। इस दर्दनाक दुर्घटना में अब तक 6 मजदूरों की मलबे में दबकर मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य मजदूरों के अभी भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 2 से 3 बजे के बीच अचानक क्षेत्र में मौसम खराब हो गया और तेज आंधी-तूफान शुरू हो गया। इसी दौरान निर्माणाधीन पुल की एक अत्यंत भारी-भरकम कंक्रीट स्लैब अचानक ढह गई। स्लैब के नीचे वहां काम कर रहे और विश्राम कर रहे मजदूर दब गए। हादसे की भयावहता को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि मलबे से और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार वर्मा के नेतृत्व में रात में ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया।

आतंकवाद के मुद्दे पर किसी भी तरह का दोहरा मापदंड नहीं चलेगा

एजेंसी। मॉस्को

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बैठक में डोभाल ने कहा तय करें किसका साथ देना है

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने आतंकवाद को लेकर दुनिया को चेताया है। मॉस्को में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बैठक में डोभाल ने कहा कि अब देशों को तय करना होगा कि वे आतंकवाद का समर्थन करने वालों के साथ हैं या उसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने वालों के। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर किसी भी तरह का दोहरा मापदंड नहीं चल सकता। मॉस्को में आयोजित सुरक्षा मामलों के उच्च प्रतिनिधियों की 14वीं बैठक में बोलते हुए अजीत डोभाल ने कहा कि आतंकवाद आज पूरी दुनिया के लिए खतरा बन चुका है। ऐसे में कुछ देशों का आतंकवाद पर अलग-अलग रवैया अपनाना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने साफ कहा कि आतंकवाद को किसी भी रूप में सही नहीं ठहराया जा सकता। भारतीय दूतावास के मुताबिक इस बैठक की मेजबानी रूस की सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु ने की। बैठक में कई देशों के सुरक्षा और रणनीतिक मामलों से जुड़े प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोभाल ने कहा कि जिम्मेदार देशों को अब स्पष्ट फैसला लेना होगा। उन्हें यह देखना होगा कि वे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले तत्वों का समर्थन कर रहे हैं या फिर उसके खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तभी सफल होगी जब पूरी दुनिया एक समान नीति अपनाएगी। एनएसए ने वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं और ढांचे अब पुराने पड़ चुके हैं। मौजूदा समय की चुनौतियों से निपटने के लिए इन संस्थाओं में सुधार जरूरी है। उन्होंने ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि होर्मुज और लाल सागर जैसे अहम समुद्री रास्तों से व्यापार की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। इस बीच एस जयशंकर ने साइप्रस में यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा से मुलाकात कर रूस-यूक्रेन युद्ध और शांति प्रयासों पर चर्चा की। भारत लगातार बातचीत और कूटनीति के जरिए इस संघर्ष के समाधान की वकालत करता है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के मामलों का निपटारा कानून के अनुसारः भारत

नई दिल्ली। भारत ने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के मामलों का निपटारा कानून के अनुसार किया जाएगा।

भारत ने बांग्लादेश के अधिकारियों को 2680 व्यक्तियों की नागरिकता सत्यापित करने के लिए भेजे हैं। भारत ने कहा कि ऐसा होने पर इन्हें प्रत्यर्पित करने की कार्यवाही की जाएगी। बहुत से मामले पांच साल से लंबित हैं। हमारी अपेक्षा है कि बांग्लादेश इस संबंध में तेज कार्यवाही करे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि नागरिकों की अवैध मौजूदगी के बारे में दोनों देशों के बीच व्यवस्था है तथा इन्हें वापस भेजा जा सकता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इबोला बीमारी से ग्रसित अफ्रीकी देश युगांडा को औषधियों की खेप भेजी गई है। भारत अफ्रीकी महाद्वीप के देशों को इस स्वास्थ्य इमरजेंसी से निपटने के लिए हर आवश्यक सहायता देने के लिए तत्तपर है। एक अन्य सवाल पर प्रवक्ता ने कहा कि पड़ोसी देश म्यांमार के राष्ट्रपति 30 मई से 2 जून तक भारत की यात्रा करेंगे। इस दौरान वह बोधगया और मुंबई भी जाएंगे।

1 या 3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं डीके शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक में लंबे समय से चली आ रही लीडरशिप की खींचतान पर आखिरकार विराम लग ही गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद अब डीके शिवकुमार राज्य के सीएम बनने जा रहे हैं। सूत्रों ने संकेत दिया कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के अगले मुख्यमंत्री के तौर पर 1 जून या 3 जून को शपथ लेने की संभावना है। सिद्धारमैया ने अपने उपमुख्यमंत्री का समर्थन किया है ताकि वे उनके उत्तराधिकारी बन सकें, और उन्होंने सभी से उनका समर्थन करने का आग्रह किया है। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों और विधायकों के साथ हुई एक बैठक के दौरान यह घोषणा की थी। इस्तीफ़ा देने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि पार्टी आलाकमान ने उनसे पद छोड़ने के लिए कहा था और उनके लिए राज्य का हित सर्वोपरि है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पहले भी कई मौकों पर इस्तीफ़ा देने की पेशकश की थी। सिद्धारमैया ने यह भी बताया कि उन्हें राज्यसभा की सीट की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर किताब में सैनिकों के अनुभव संजोए गए, रक्षा मंत्री ने की लांच

एजेंसी। नई दिल्ली

पाकिस्तान से अब तक लड़े गए अन्य सभी युद्धों से अलग था 'ऑपरेशन सिंदूर' : राजनाथ

रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर एक पुस्तक जारी की, जिसमें सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को संजोया गया है। पुस्तक में बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर एक अभूतपूर्व सफलता थी, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को चार दिनों के भीतर ही युद्ध विराम के लिए विवश कर दिया। यह पुस्तक ऐतिहासिक विवरण से परे जाकर वीर सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को समेटती है। साथ ही आधुनिक युद्ध के मानवीय पहलू की वह झलक भी मिलती है, जहां नेतृत्व, साहस, दबाव में निर्णय लेने की क्षमता और प्रतिबद्धता रणनीति को सफलता में बदल देती है। राजनाथ सिंह ने पुस्तक जारी करते हुए कहा कि यह प्रकाशन आधुनिक युद्ध के उस मानवीय पहलू को दर्शाता है, जो रणनीति को सफलता में बदल देता है। यह पुस्तक उन लोगों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने इस ऑपरेशन के दौरान बलिदान दिया। साथ ही उन्होंने इसे सैनिकों की निष्ठा और अदम्य साहस से जुड़ने का एक माध्यम भी बताया। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर इस पुस्तक में उन 100 अधिकारियों, नाविकों, वायुसैनिकों और अन्य सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को संकलित किया गया है, जिन्होंने इस ऑपरेशन में हिस्सा लिया था। राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक अभूतपूर्व सफलता बताया, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को चार दिनों के भीतर ही युद्ध विराम के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान से अब तक लड़े गए अन्य सभी युद्धों से अलग था। यह किताब जान-बूझकर आधिकारिक सैन्य इतिहास-लेखन की परंपराओं से हटकर लिखी गई है। यह किताब जवानों के असली अनुभव को फिर से सामने लाने की एक कोशिश है।

भारत में आ रहा तबाही मचाने वाला तूफान

एजेंसी। नई दिल्ली

जमकर होगी बारिश, तापमान गिरेगा मौसम में आएगी ठंडक

मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम भारत के कई राज्यों के लिए भयंकर चक्रवाती आंधी, ओलावृष्टि और मूसलाधार बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 से 48 घंटे बेहद संवेदनशील होने जा रहे हैं। राहत की बात यह है कि इस मौसमी बदलाव के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी और अधिकतम तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस की भारी गिरावट दर्ज की जा सकती है। इस बीच, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की उत्तरी सीमा भी तेजी से आगे बढ़ रही है और अगले 2-3 दिनों में इसके अरब सागर, लक्षद्वीप और बंगाल की खाड़ी के अन्य हिस्सों में पहुंचने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल बनी हुई हैं।

वहीं दूसरी तरफ उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में आज भारी बारिश और ओलावृष्टि के साथ 50-60 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। पहाड़ों पर हो रहे इस बदलाव के कारण मैदानी इलाकों में ठंडी हवाएं पहुंचेंगी, जिससे आने वाले दिनों में मैदानी राज्यों के तापमान में और कमी देखी जाएगी। बिहार में आज 60 से 70 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज तूफान और भारी बारिश की गंभीर चेतावनी है, जबकि झारखंड में 31 मई तक 50 से 60 किमी/घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अनुमान है। मध्य प्रदेश की बात करें तो आज पूर्वी हिस्सों में लू का आखिरी असर रहेगा, जिसके बाद आज और कल पूरे राज्य में ओलावृष्टि और 50-60 किमी/घंटे की रफ्तार से तूफान का अलर्ट है। छत्तीसगढ़ में भी 31 मई तक तेज आंधी-तूफान की आशंका जताई गई है, जिससे गर्मी का असर कम हो जाएगा।

उप्र, दिल्ली और हरियाणा में भारी तबाही की आशंका : मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के लिए विशेष चेतावनी जारी करते हुए आज के दिन को काफी संवेदनशील बताया है। पश्चिमी यूपी में 80 से 100 किमी/घंटे और पूर्वी यूपी में 70 से 80 किमी/घंटे की रफ्तार से विनाशकारी तूफान आने और ओले गिरने की प्रबल आशंका है। पूरे राज्य में अगले कुछ दिनों तक 50-60 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और 31 मई को पूर्वी यूपी में भारी बारिश होगी।

एनआईए का पाकिस्तान समर्थित आतंकी नेटवर्क पर प्रहारः 12 ठिकानों पर सघन छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान से जुड़े एक बड़े आतंकी नेटवर्क के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया। इस कार्रवाई के तहत चार राज्यों में स्थित 12 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई, जिससे सीमा पार से संचालित होने वाली भारत विरोधी गतिविधियों को करारा झटका लगा है। यह छापेमारी पाकिस्तान में बैठे ऑपरेटिव जसवीर चौधरी और उसके भारतीय सहयोगियों से जुड़े आतंकी मॉड्यूल को निशाना बनाकर की गई है। जांच एजेंसियों को अंदेशा है कि यह नेटवर्क भारत में हथियार, गोला-बारूद और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा था। एनआईए के बड़े तलाशी अभियान में उत्तर प्रदेश में पांच, राजस्थान में दो, बिहार में दो और महाराष्ट्र में तीन स्थानों पर एक साथ टीमें पहुंचीं। केंद्रीय एजेंसियों और लोकल पुलिस के सहयोग से की गई कार्रवाई के दौरान कई संदिग्धों से गहन पूछताछ की गई। मौके से महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं, जिनकी फोरेंसिक जांच की जा रही है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

नीट पेपर लीकः सीबीआई निदेशक व अन्य अधिकारी संसदीय समिति के समक्ष पेश हुए

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी)-2026 पेपर लीक मामले में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद शुक्रवार को संसद की सरकारी आश्वासन समिति के समक्ष पेश हुए। परीक्षा में कथित अनियमितताओं और जांच की प्रगति की समीक्षा के लिए इन अधिकारियों ने संसदीय समिति को जानकारी दी।राज्यसभा सदस्य एम. थंबीदुरई की अध्यक्षता वाली इस संसदीय समिति में अध्यक्ष सहित कुल 11 सदस्य हैं। बैठक की अध्यक्षता थंबीदुरई ने की। बैठक में शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव भी मौजूद रहे। समिति ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच और अब तक की कार्रवाई पर विस्तृत जानकारी मांगी।बैठक में सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद के साथ एजेंसी के विशेष निदेशक, अतिरिक्त निदेशक और संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी भी शामिल हुए। अधिकारियों ने समिति को कथित पेपर लीक की जांच, गिरफ्तारियों और विभिन्न राज्यों में चल रही कार्रवाई की जानकारी दी।एनटीए महानिदेशक अभिषेक सिंह ने परीक्षा संचालन, सुरक्षा व्यवस्था और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर समिति को अवगत कराया।उल्लेखनीय है कि नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में राजनीतिक और शैक्षणिक हलकों में लगातार सवाल उठ रहे हैं। मामले की जांच फिलहाल सीबीआई कर रही है। सीबीआई इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

भारत-कनाडा ने आर्थिक साझेदारी मजबूत करने को शुरू किया व्यापार एवं निवेश मंच

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। भारत और कनाडा ने व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापार एवं निवेश मंच की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के व्यवसायों को एक साथ लाना है।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की तीन दिवसीय (25-27 मई) आधिकारिक यात्रा के समापन के बाद वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को बताया गया है कि कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की है, ताकि दोनों देशों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और व्यवसायों के लिए कारोबारी अवसरों को बढ़ाने वाले मजबूत परिणाम प्राप्त किए जा सकें। मंत्रालय के अनुसार कनाडा-भारत व्यापार एवं निवेश मंच के तहत दोनों ही पक्षों ने एक महत्वाकांक्षी एवं परस्पर लाभकारी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और इस वर्ष के अंत तक वार्ता पूरी करने के साझा लक्ष्य की पुष्टि की।दोनों देशों ने भारत और कनाडा के बीच संपर्क बढ़ाने पर भी सहमति जताई है। इसमें लोगों के बीच संपर्क, व्यापारिक सुगमता और प्रत्यक्ष वाणिज्यिक संबंध शामिल हैं, जिन्हें व्यापार एवं निवेश के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण कारक माना गया है। कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनींदर सिद्धू सिद्धू ने पुष्टि की कि कनाडा इस वर्ष के अंत में 'टीम कनाडा ट्रेड मिशन' का प्रतिनिधिमंडल भारत भेजेगा। पीयूष गोयल के नेतृत्व में 150 से अधिक सदस्यों का व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल 25 से 27 मई के दौरान कनाडा गया था। इस दौरान उन्होंने व्यापार जगत के कई दिग्गजों के साथ बैठकें कीं और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनींदर सिद्धू के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की।

ऑपरेशन शस्त्र : रोहिणी में अपराधियों पर पुलिस का बड़ा प्रहार, 11 पिस्टल-13 कारतूस बरामद, 21 हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। राजधानी में संगठित अपराध और स्ट्रीट क्राइम पर शिकंजा कसने के लिए रोहिणी जिला पुलिस ने दो दिवसीय विशेष अभियान 'ऑपरेशन शस्त्र' चलाकर अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ 19 आरोपितों को गिरफ्तार किया, जबकि अपराध में सक्रिय 21 हिस्ट्रीशीटरों को भी दबोच लिया।पुलिस अधिकारियों के अनुसार 27 और 28 मई को चलाए गए इस विशेष अभियान का उद्देश्य संगठित अपराध, सड़क अपराध और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर रोहिणी जिले में 15 विशेष टीमें गठित की गई थीं, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में लगातार निगरानी, चेकिंग और गश्त की।अभियान के दौरान पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत 18 मामले दर्ज किए। इन मामलों में 19 आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 11 देशी पिस्टल (सीएमपी), 13 जिंदा कारतूस, सात चाकू और दो मोटरसाइकिल बरामद की गईं। पुलिस का कहना है कि बरामद हथियारों का इस्तेमाल गंभीर आपराधिक वारदातों में किया जा सकता था।पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार रोहिणी जिला पुलिस ने अपराध की रोकथाम के लिए हिस्ट्रीशीटरों, जमानत पर बाहर आए अपराधियों और उद्घोषित अपराधियों की भी विशेष जांच की। कार्रवाई के दौरान 21 ऐसे हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार किए गए, जो लगातार आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय पाए गए।पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियाती कार्रवाई भी की। सार्वजनिक शांति भंग करने की आशंका वाले लोगों के खिलाफ 15 कलंदरे दर्ज किए गए और 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा दिल्ली पुलिस अधिनियम के तहत 53 वाहनों को जब्त किया गया तथा 571 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। रोहिणी जिला पुलिस के अनुसार संवेदनशील स्थानों पर रणनीतिक पिकेट लगाए गए और व्यापक स्तर पर गश्त बढ़ाई गई। अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान से अपराधियों में पुलिस का डर बढ़ा है और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में नहीं बिकेगी एब्सोल्यूट वोदका और शिवास रीगल शराब, हाई कोर्ट की रोक

लोकतंत्र की शानः नई दिल्ली। दिल्ली में एब्सोल्यूट वोदका और शिवास रीगल जैसी शराब बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी पेरनोड रिकार्ड के उत्पादों पर लगी रोक बरकरार रहेगी। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस पुरुषेंद्र कौरव की बेंच ने पेरनोड रिकार्ड की वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें अपने उत्पादों को दिल्ली में बेचने की इजाजत मांगी थी। दरअसल, पेरनोड रिकार्ड ने अपने उत्पादों पर लगी रोक को हटाने की मांग की थी, ताकि वो दिल्ली की बाजारों में बिक्री कर सके। यह कंपनी दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आरोपित है, जिसकी वजह से उस पर 2023 में प्रतिबंध लग गया। इसके पहले पेरनोड रिकार्ड ने वित्त आयुक्त के पास शराब लाइसेंस के लिए अर्जी दायर की थी, लेकिन वित्त आयुक्त ने पेरनोड रिकार्ड की अर्जी खारिज कर दी थी। वित्त आयुक्त ने 17 फरवरी के अपने आदेश में कहा था कि दिल्ली आबकारी मामले में उसके खिलाफ गंभीर आरोप हैं। कंपनी पर आरोप है कि उसने 2021 में अवैध रुप से अपना मार्केट शेयर बढ़ाने के लिए शराब के खुदरा विक्रेताओं के साथ साजिश रची। सुनवाई के दौरान पेरनोड रिकार्ड के वकील मुकुल रोहतगी और जयंत मेहता ने कहा कि वित्त आयुक्त ने उसके खिलाफ लंबित आपराधिक मामले को गलत तरीके से लिया है। लंबित मामले को आपराधिक पृष्ठभूमि की तरह देखा गया, जबकि कंपनी किसी मामले में दोषी करार नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली आबकारी कानून की धारा 13 उन पर लागू होता है, जो दोषी करार दिए गए हों।

इंस्टाग्राम पर हथियार लहराकर बन रहा था 'डॉन', नाबालिग पकड़ा गया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर दहशत फैलाने वाले एक नाबालिग अपराधी को पकड़ा है। आरोपित आदर्श नगर थाने में दर्ज आगजनी के एक मामले में वांछित था। पुलिस जांच में सामने आया है कि उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर एक युवक की मोटरसाइकिल सिर्फ इसलिए आग के हवाले कर दी थी, क्योंकि उसने उन्हें शराब खरीदने के लिए बाइक देने से इनकार कर दिया था।उत्तर पश्चिमी जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने शुक्रवार को बताया कि पकड़ा गया नाबालिग अपराधी सोशल मीडिया, विशेषकर इंस्टाग्राम पर काफी सक्रिय था। वह लगातार हथियारों के साथ फोटो और वीडियो पोस्ट कर खुद को इलाके का दबंग दिखाने की कोशिश करता था। उसके पोस्ट और रील्स का मकसद स्थानीय युवाओं और लोगों के बीच डर का माहौल बनाना था। जांच में सामने आया कि आदर्श नगर क्षेत्र में रहने वाले सुबेदार नामक युवक ने आरोपित और उसके साथियों को शराब खरीदने के लिए अपनी मोटरसाइकिल देने से मना कर दिया था। इसी बात से नाराज होकर नाबालिग ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर सुबेदार की बाइक में आग लगा दी थी। इस संबंध में आदर्श नगर थाने में बीएनएस की धारा 326(एफ) के तहत एफआईआर संख्या 269/2026 दर्ज की गई थी। वारदात के बाद से आरोपित लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था।

सोशल मीडिया मॉनिटरिंग से पुलिस के हत्थे चढ़ाः उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस द्वारा अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्पेशल स्टाफ की टीम लगातार कुख्यात अपराधियों की गतिविधियों और सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नजर रख रही थी। इसी दौरान पुलिस की नजर एक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पड़ी, जिसमें एक नाबालिग खुलेआम हथियारों का प्रदर्शन करते हुए दिखाई दे रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर सोमिल शर्मा के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल नरसी, हेड कांस्टेबल हरीश, हेड कांस्टेबल जोगेंद्र और कांस्टेबल ओमबीर की टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण, स्थानीय मुखबिरों और लगातार निगरानी के जरिए आरोपी की लोकेशन का पता लगाया और उसे दबोच लिया।पुलिस जांच में यह भी पता चला कि पकड़ा गया नाबालिग पहले से ही पांच आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। उसके खिलाफ झपटमारी, मारपीट, चोरी, आगजनी और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामलों में संलिप्तता सामने आई है। कम उम्र में ही अपराध की दुनिया में सक्रिय होने के कारण वह इलाके में बदमाशों के बीच अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रहा था।पूछताछ में पुलिस को पता चला कि आरोपित अवैध हथियार रखने और उनका प्रदर्शन करने का शौकीन था। वह सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ वीडियो और तस्वीरें डालकर खुद को खतरनाक अपराधी के रूप में पेश करता था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस तरह की गतिविधियां समाज में भय का माहौल पैदा करती हैं और कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनती हैं। वहीं पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर हथियारों या आपराधिक गतिविधियों का महिमामंडन न करें और न ही ऐसे कंटेंट को बढ़ावा दें। यदि किसी व्यक्ति द्वारा हथियारों का प्रदर्शन या संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दें तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है और मामले की आगे की जांच जारी है।

भीषण गर्मी में स्वच्छता कर्मियों के समर्थन को आगे आएं नागरिक : सीआर पाटिल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने भीषण गर्मी और लू के बीच स्वच्छता कर्मियों के समर्थन में जनभागीदारी का आह्वान करते हुए नागरिकों से उनके प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और सहयोग का भाव रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि "पानी, छांव और सम्मान" जैसी छोटी-छोटी पहल भी स्वच्छता कर्मियों के लिए बड़ा सहारा बन सकती हैं। केंद्रीय मंत्री पाटिल ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी के बावजूद स्वच्छता कर्मी गांवों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। तेज धूप और कठिन परिस्थितियों में भी उनका समर्पण और सेवा भावना प्रेरणादायक है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी देशवासियों से अपील की है कि इन कठिन दिनों में पूरी संवेदनशीलता और करुणा के साथ एक-दूसरे का ध्यान रखें। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि यदि आसपास कोई स्वच्छता कर्मी कार्य कर रहा हो तो उन्हें पीने का पानी उपलब्ध कराएं, कुछ समय छांव में विश्राम के लिए प्रेरित करें और उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करें।पाटिल ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार या किसी एक कर्मी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की ओर से भी नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्वच्छता सेवा देने वाले कर्मियों के लिए पानी, छांव और मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि मानवता, करुणा और संवेदनशीलता के साथ स्वच्छता कर्मियों का सहयोग करके स्वच्छ, स्वस्थ और संवेदनशील भारत के निर्माण में सहभागी बना जा सकता है।

आआपा ने पानी की समस्या को लेकर किया 'मटका फोड़' प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के विधायक कुलदीप कुमार और पार्टी कार्यकर्ताओं ने कोंडली विधानसभा में हो रही पानी की समस्या को लेकर शुक्रवार को दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय मयूर विहार फेज-2 के समक्ष 'मटका फोड़' प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जल्द पानी की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आआपा दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा के घर का घेराव करेगी। प्रदर्शन के दौरान कुलदीप कुमार ने जल संकट पर कहा कि पहले यह घोषणा की गई थी कि सभी विधानसभा क्षेत्र में पानी की आपूर्ति पहले के जैसी की जाएगी। चाहे वह गाजीपुर यूजीआर, न्यू कोंडली यूजीआर या दल्लूपुरा यूजीआर हो, लेकिन आपूर्ति में कटौती जारी है और लोग बुनियादी पानी की जरूरतों के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं।कुलदीप कुमार ने कहा कि सरकार ने हरियाणा से अधिक पानी लाने का वादा किया था, फिर भी लोगों को पर्याप्त आपूर्ति नहीं मिल रही है। जब आआपा ने हजारों निवासियों के साथ चरण- II कार्यालय का दौरा किया, तो भारी पुलिस तैनाती के बावजूद कोई भी अधिकारी हमसे नहीं मिला। उन्होंने कहा कि जल संकट खराब प्रबंधन को दर्शाता है और इसका खामियाजा दिल्ली के लोगों को भुगतना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि जो पानी पहले मिलता था वह भी अब नहीं मिल रहा। ज्यादातर जगहों पर नाले का पानी घरों में भेजा जा रहा है। पानी की सप्लाई में 20 प्रतिशत से अधिक की कमी कर दी गई है।

कृषि अवसंरचना को मजबूत बनाने और राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

राजस्थान में कृषि के विकास का रोडमैप जल्द होगा तैयारः कृषि मंत्री, डॉ किरोडी लाल मीणा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजस्थान के कृषि एवं बागवानी मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने शुक्रवार को नई दिल्ली के पूसा में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में राजस्थान के कृषि परिदृश्य पर पक्ष रखते हुए देशभर से आए कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों एवं विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों और कृषि क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श किया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान कर रहे थे। डॉ किरोडी लाल मीणा ने कहा कि सम्मेलन में कृषि उत्पादकता वृद्धि, जलवायु-अनुकूल खेती, प्राकृतिक खेती, दलहन-तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता तथा डिजिटल कृषि जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा हुई है। इस दौरान राजस्थान सरकार की ओर से प्रदेश के किसानों के हितों, कृषि अवसंरचना को मजबूत करने एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव और अनुभव साझा किए। सम्मेलन में डॉ मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के "विकसित भारत - समृद्ध किसान" के संकल्प को साकार करने हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर किसानों की आय बढ़ाने, खेती को तकनीक से जोड़ने और राजस्थान के अन्नदाता को अधिक सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के दौरान कृषि क्षेत्र विकास से जुड़े समस्त महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई है ताकि किसानों को उनका वाजिब हक मिल सके। डॉ मीणा ने कहा कि किसानों के लिए सुलभ खेती हेतु समय पर खाद, बीज और पेस्टिसाइड किस तरह से उचित समय और उचित मूल्य पर मिले इसके लिए भी सम्मेलन के दौरान कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए जिन पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने शीघ्रता से कार्यवाही करने के आश्वासन दिया है।

मूवी रिव्यूः श्री बाबा नीब करौरी महाराज

स्टीव जॉब्स से मार्क जुकरबर्ग तक–बाबा के वैश्विक भक्त :श्री बाबा नीब करौरी महाराज

लोकतंत्र की शान

बेशक लंबे अरसे से कोई धार्मिक फिल्म सिनेमा घरों में रिलीज नहीं हो पाई, शायद फिल्म इंडस्ट्री के नामी मेकर अब यह समझ बैठे है कि जेन जेड सिर्फ एक्शन और रोमांस एक्शन वाली फिल्में ही पसंद करते है लेकिन जय बाबा नीम करौली पर बनी फिल्म के प्रेस शोज और प्रिव्यू शोज में 60 फीसदी के करीब युवाओं की मौजूदगी साबित करती है कि युवा वर्ग अपनी प्राचीन विरासत और साधु संतों पर बनी फिल्मों को देखना चाहता है । इस शुक्रवार देश भर में रिलीज हुई यह फिल्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी के अवतार माने जाने वाले नीम करोली बाबा की जीवनी का एक पहलू पेश करती है। बाबा के भक्तों में देश और विदेश के लोग शामिल हैं। बाबा के भक्तों में स्टीव जॉब्स और मार्क जुकरबर्ग जैसी नामी हस्तियां शामिल हैं। इस फिल्म के निर्माता शरद सिंह ठाकुर ने कई वर्षो तक नीम करोली बाबा 'श्री बाबा नीब करोरी महाराज' जिंदगी पर काफी रिसर्च की । इस फिल्म का उद्देश्य बाबा की शिक्षाओं और विरासत से युवा पीढ़ी का परिचय कराना है। आज बाबा के भक्त भारत और विश्व भर में फैले हुए हैं। 1973 में नीम करोली बाबा के निधन के दशकों बाद आज भी उनके लाखों अनुयायी उनसे प्रेरणा लेने आश्रम आते रहते हैं। बाबा के भक्तों में एप्पल के हेड के अलावा अनुष्का शर्मा और विराट कोहली सहित अनेक हस्तियां शामिल है ।मराठी एक्टर सुबोध भावे ने नीम करोली बाबा की भूमिका को जीवंत कर दिखाया है ।फिल्म के मेकर बाबा के परिवार से कई बार मिले और फिर इस फिल्म की बनाने के अधिकार लिया आज बाबा की बेटी गिरिजा 80 साल की हैं। फिल्म शुरू करने से पहले चार साल तक रिसर्च की गई । इस फिल्म के निर्माता खुद भी नीम करोली बाबा के बड़े भक्त हैं। वह एक्टर, लेखक, निर्माता और निर्देशक भी हैं। नीम करौली बाबा जैसी फिल्म बनाना आसान कार्य नहीं है रीयल लोकेशन पर फिल्म को शूट करना बाबा के परिवार से फिल्म बनाने की अनुमति लेकर इस प्रोजेक्ट को शुरू करना इस फिल्म को दूसरी फिल्मों से अलग बना देता है यह फिल्म सिर्फ सिर्फ बाबा करौली के भक्तों को ही नहीं हर उस दर्शक को देखनी चाहिए जो धार्मिक फिल्में पसंद करते है और चाहते है ऐसी फिल्में आगे भी बने तो उन्हें अपने परिवार के साथ यह फिल्म देखनी चाहिए और इस फिल्म को सभी राज्य सरकारों को टैक्स फ्री करना चाहिए।

कलाकारः सुबोध भावे , समीक्षा भटनागर, राजेश शर्मा ,सेंसरः यू, अवधिः 139 मिनट,

रेटिंग 3 .5 स्टार

सिद्दारमैया ने राहुल गांधी और खरगे से की मुलाकात

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कर्नाटक के कार्यवाहक मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से दिल्ली में शुक्रवार को अलग-अलग मुलाकात की।सिद्दारमैया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, "मैं आज दिल्ली में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से मिला और बातचीत की। इस मौके पर कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज, कर्नाटक के ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खरगे और डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया भी साथ में थे।"खरगे ने भी सोशल मीडिया पर लिखा, "सिद्दारमैया सार्वजनिक जीवन में हमेशा गरिमा, करुणा और सामाजिक न्याय के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की झलक मिलती रही है। एक साधारण शुरुआत से लेकर दो बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने तक, वे समानता, सद्भाव और वंचितों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहे। कर्नाटक और कांग्रेस सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान के लिए उनके प्रति कृतज्ञ हैं। हम उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं और लोगों की सेवा में उनके निरंतर प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।"उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया था। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शुक्रवार को सिद्दारमैया का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। राज्यपाल ने राज्य में वैकल्पिक व्यवस्था होने तक सिद्दारमैया को कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते रहने को कहा है।

महापौर ने सिटी एसपी जोन कार्यालय में आधुनिक लिफ्ट का किया उद्घाटन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने शुक्रवार को सिटी एसपी जोन कार्यालय में नवनिर्मित आधुनिक लिफ्ट का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में स्थानीय निगम पार्षद सुमन कुमार गुप्ता भी उपस्थित रहें।इस दौरान उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम नागरिकों को बेहतर एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ कर रहा है। उन्होंने कहा कि नई लिफ्ट के संचालन से न केवल आम नागरिकों बल्कि वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं कर्मचारियों को भी बड़ी सुविधा प्राप्त होगी। यह पहल निगम कार्यालयों को अधिक सुलभ, आधुनिक एवं नागरिक-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।प्रवेश वाही ने कहा कि निगम प्रशासन द्वारा कार्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के उन्नयन एवं नागरिकों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न विकासात्मक कार्य किए जा रहे हैं। नई लिफ्ट का संचालन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।स्थानीय पार्षद सुमन कुमार गुप्ता ने इस सुविधा के लिए महापौर एवं निगम प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के नागरिकों को कार्यालय में आने-जाने में काफी सहूलियत मिलेगी तथा जनसेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी इस नई सुविधा का स्वागत किया और इसे कार्यालय की कार्यक्षमता एवं नागरिक सुविधा को बढ़ाने वाला कदम बताया।

कांग्रेस नेताओं के बीच सत्ता संघर्ष के कारण कर्नाटक में विकास कार्य ठपः भाजपा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं के बीच सत्ता संघर्ष के कारण विकास कार्य ठप होने का आरोप लगाया है। भाजपा ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में शासन और विकास के बजाय मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष ही सरकार की पहचान बन गयी है।भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि कर्नाटक की सरकार गुटबाजी, उत्तराधिकार की राजनीति और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं में उलझी रही, जबकि जनता से जुड़े मुद्दे पीछे छूट गए। इस आंतरिक खींचतान की वजह से राज्य में बुनियादी ढांचे पर खर्च में 5,229 करोड़ रुपये की कटौती हुई है और वित्तीय स्थिति लगातार कमजोर हुई है।मालवीय ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के हवाले से कहा कि राज्य का राजकोषीय घाटा एक वर्ष में 46,623 करोड़ से बढ़कर 65,522 करोड़ रुपये हो गया, जबकि उधारी लगभग 63,000 करोड़ तक पहुंच गयी है। राजस्व घाटा भी 9,271 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में विकास कार्य ठप है और 3,140 से अधिक आधारभूत परियोजनाएं अधूरी हैं और आठ विभागों में ठेकेदारों के 30,000 करोड़ रुपये से अधिक के बकाये का भुगतान नहीं हुआ है। स्थानीय निकाय चुनावों में देरी के कारण कर्नाटक को हर वर्ष लगभग 6,000 करोड़ रुपये के अनुदान से वंचित होना पड़ सकता है। उन्होंने कांग्रेस सरकार को "प्रशासनिक पक्षाघात" का शिकार बताते हुए कहा कि सरकार आंतरिक कलह में इतनी व्यस्त है कि सुशासन और जनकल्याण प्रभावित हो रहे हैं। पार्टी का कहना है कि यदि यह स्थिति जारी रही तो 2028 के विधानसभा चुनाव में जनता इसका जवाब जरूर देगी।

संक्षिप्त समाचार

रहरा में C.B.S Tygai गर्ल्स लाइब्रेरी का भव्य उद्घाटन, दरोगा पद पर चयनित कु0 पूजा ने किया फीता काटकर शुभारंभ

लोक तंत्र की शान, प्रवीण अग्रवाल, जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर/ रहराः शुक्रवार को रहरा में बालिका शिक्षा को नई दिशा देने के लिए C.B.S Tygai गर्ल्स लाइब्रेरी का भव्य उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक गोपनीय विभाग पद पर चयनित कु० पूजा ने फीता काटकर लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। कु० पूजा के दरोगा पद पर चयनित होने पर विद्यालय परिवार द्वारा उन्हें शुभकामनाएं भी दी गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ त्यागी स्पोर्ट्स स्कूल एवं गुरुकुल कल्यानपुर के कोच भोले सिंह त्यागी, भाजपा नेता प्रमोद त्यागी, चौधरी बिहारी सिंह त्यागी कन्या इंटर कॉलेज के डायरेक्टर ब्रह्मदत्त त्यागी, डॉ० सुरेन्द्र सिंह त्यागी व एक्यूप्रेशर चिकित्सक तुलसीराम जी के कर-कमलों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। मुख्य अतिथि कु० पूजा ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा, "यदि आप सभी को मेरी तरह सरकारी नौकरी का अवसर प्राप्त करना है तो निरन्तर अध्ययनरत रहना पड़ेगा। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए इंस्टाग्राम व फेसबुक जैसे सोशल मीडिया से दूर रहना होगा।" उन्होंने अपने संघर्ष को साझा करते हुए बताया कि वे ग्रामीण क्षेत्र के सामान्य परिवार से हैं और उन्होंने शिक्षा भी ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों से ही प्राप्त की है। अपने चयन का श्रेय उन्होंने माता-पिता व भाई के अमूल्य योगदान को दिया। भाजपा नेता प्रमोद त्यागी ने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए C.B.S Tygai गर्ल्स लाइब्रेरी में अध्ययन व स्व-अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। डायरेक्टर श्री ब्रह्मदत्त त्यागी ने कु० पूजा को पुरस्कार देकर सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी अतिथियों को उपहार देकर आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य श्यामसुन्दर मौर्य, सीताराम, अजय कुमार, महिपाल राणा, श्रीमती कृष्णा देवी, राजपाल सिंह, अरविन्द कुमार, रवि कुमार, श्रीमती रेखा सिंह, श्रीमती रेखा ठाकुर सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ व बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। लाइब्रेरी खुलने से क्षेत्र की बालिकाओं में शिक्षा के प्रति नया उत्साह देखने को मिला।

इलाज के दौरान बुखार से पीड़ित 18 वर्षीय युवक की मौत, किसान परिवार में मचा कोहराम

लोक तंत्र की शान, प्रवीण अग्रवाल, जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः शुक्रवार को तहसील क्षेत्र के गांव कोकापुर में एक किसान परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मामूली बुखार ने 18 वर्षीय युवक मुन्ना की जान ले ली। चार दिन चले इलाज के बाद भी उसे बचाया न जा सका। युवक की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव कोकापुर निवासी किसान प्रेमपाल खड़कवंशी का 18 वर्षीय बेटा मुन्ना चार दिन पहले अचानक बुखार की चपेट में आ गया था। परिजनों ने शुरुआत में इसे सामान्य वायरल समझा और सौंधन स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन मुन्ना की हालत में सुधार होने के बजाय लगातार गिरावट आती रही। चिकित्सकों ने स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए मुरादाबाद रेफर कर दिया। परिजन तुरंत मुन्ना को लेकर मुरादाबाद के निजी अस्पताल पहुंचे, जहां आईसीयू में उसका उपचार चल रहा था। शुक्रवार को इलाज के दौरान मुन्ना ने दम तोड़ दिया। बेटे की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। मां व परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पिता प्रेमपाल सदमे में हैं। मृतक मुन्ना पांच भाई-बहनों में चौथे नंबर का था। वह बेहद मेहनती और सरल स्वभाव का था। खेती-बाड़ी में पिता का हाथ बंटाता था और गांव में सभी का चहेता था। हमेशा दूसरों की मदद को तैयार रहने वाले मुन्ना की असमय मौत से ग्रामीण स्तब्ध हैं। सांत्वना देने के लिए गांव के लोग बड़ी संख्या में प्रेमपाल के घर पहुंच रहे हैं। परिजनों ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इस मामले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ० शशांक चौधरी ने बताया कि उन्हें घटना की कोई जानकारी नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि बदलते मौसम में बुखार और वायरल के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। समय पर सही जांच व उपचार न मिलने से कई बार मामूली बुखार भी जानलेवा बन जाता है। स्वास्थ्य विभाग को गांवों में जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

नगर पंचायत सिरसी की बड़ी पहल अब सिरसी में ही मिलेगा आधार सेवा केन्द्र का लाभ

लोक तंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी , संभल/सिरसी। नगर पंचायत सिरसी के नागरिकों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। अब आधार कार्ड बनवाने, अपडेट कराने एवं संशोधन कराने के लिए लोगों को सम्भल, मुरादाबाद अथवा अन्य शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। नगर पंचायत अध्यक्ष जनाब कौसर अब्बास के विशेष प्रयासों एवं जनहितकारी सोच के चलते नगर पंचायत कार्यालय सिरसी में ही आधार सेवा केन्द्र का शुभारम्भ कर दिया गया है। इस नई सुविधा के शुरू होने से नगरवासियों को काफी सहूलियत मिलेगी। अब नया आधार कार्ड बनवाने, नाम, पता, मोबाइल नंबर आदि में संशोधन कराने समेत सभी आधार संबंधी कार्य नगर पंचायत कार्यालय में ही आसानी से कराए जा सकेंगे। नगर पंचायत अध्यक्ष कौसर अब्बास ने कहा कि जनता की समस्याओं को दूर करना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि नगरवासियों को छोटी-छोटी सुविधाओं के लिए दूर-दराज शहरों में भटकना पड़ता था, जिसे देखते हुए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस सुविधा से खास तौर पर बुजुर्गों, महिलाओं एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा। आधार सेवा केन्द्र प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित रहेगा। नगर पंचायत प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वह इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अन्य लोगों तक भी यह जानकारी पहुंचाएं।

स्थान : नगर पंचायत कार्यालय, सिरसी

समय : सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक

जनता के हित में लगातार विकास एवं सुविधाओं को आगे बढ़ाने के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष कौसर अब्बास की यह पहल क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

किसानों के मसीहा थे चौधरी चरण सिंहः मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान , लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने विधान भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत मां का महान सपूत और किसानों का मसीहा बताया।

चौधरी साहब को जाता है कृषि, राजस्व के क्षेत्र में अनेक रिफॉर्म का श्रेय - मुख्यमंत्री ने कहा कि चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को उत्तर प्रदेश में हुआ था। वह देश के स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े थे। देश में कृषि, राजस्व के क्षेत्र में तमाम रिफॉर्म का श्रेय उन्हें जाता है। उनका स्पष्ट मत था कि देश के विकास का रास्ता गांव, खेत व खलिहालों से होकर जाता है।

सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा होना चाहिए किसान- मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान विकास के एजेंडे और सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा होना चाहिए। शासन की योजनाएं किसानों को ध्यान में रखकर तैयार की जानी चाहिए। चौधरी चरण सिंह द्वारा देशहित में किए गए कार्यों को ध्यान में रखते हुए उन्हें भारत रत्न की उपाधि से भी सम्मानित किया गया।

इनर व्हील क्लब ने धूप से बचाने के लिए बिटिया की दुकान पर लगवाया बड़ा छाता

लोक तंत्र की शान, प्रवीण अग्रवाल, जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को इनर व्हील क्लब हसनपुर ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए पुरानी तहसील प्रांगण में तख्त पर सामान बेचने वाली निर्धन बालिका अनन्या को भीषण धूप से राहत दिलाई। क्लब ने बालिका की दुकान पर बड़ा छाता लगवाकर उसकी सहायता की। दरअसल, इनर व्हील क्लब की कुछ महिला कार्यकर्ता पुरानी तहसील परिसर से गुजर रही थीं। तभी उन्होंने देखा कि अत्यंत गरीब परिवार की बेटी अनन्या खुले आसमान के नीचे तपती धूप में बैठकर सामान बेच रही है। नन्हीं उम्र में रोजी-रोटी के लिए संघर्ष करती बच्ची को देखकर सदस्यों का दिल पसीज गया। इनर व्हील क्लब की सदस्य ने तुरंत पहल करते हुए बाजार से बड़ा छाता मंगवाया और स्वयं मौके पर पहुंचकर अनन्या की तख्त नुमा दुकान पर लगवा दिया। छाता लगते ही बालिका के चेहरे पर मुस्कान आ गई। अनन्या ने कहा कि अब धूप से बचकर आराम से सामान बेच सकेगी। इनर व्हील क्लब की पदाधिकारियों ने कहा, _"सेवा ही हमारा धर्म है। समाज के कमजोर वर्ग की मदद करना हमारा कर्तव्य है। अनन्या जैसी बेटियों को सहारा देना सबसे बड़ा पुण्य है।" वही स्थानीय लोगों ने क्लब के इस नेक कार्य की सराहना की। लोगों ने कहा कि भीषण गर्मी में यह छोटा सा प्रयास किसी के लिए बहुत बड़ी राहत है। वही क्लब के द्वारा पड़ोस के अन्य तख्त दुकानदार मनोज कुमार, नईम अहमद, सोनू प्रजापति, अतुल कुमार आदि का कार्यक्रम में श्रमदान करने के लिए धन्यवाद अर्पित किया, इस मौके पर क्लब की अध्यक्षा आरती गुप्ता, कविता अग्रवाल, अंचल अग्रवाल, पल्लवी अग्रवाल, सारिका गर्ग आदि मुख्य रूप से उपस्थित रही l

जन्मभूमि के ऋण से मुक्त होना ही सच्ची देशभक्तिः सीएम योगी

लोकतंत्र की शान

मऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मऊ जिले के गांव ताजोपुर स्थित ग्रामीण सैनिक हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जन्मभूमि के ऋण से मुक्त होना ही सच्ची देशभक्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रिगेडियर डॉ. पी.एन. सिंह ने भारतीय सेना में 35 वर्षों तक सेवा देने और देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्य करने के बाद अपनी जन्मभूमि लौटकर जो कार्य किया है, वह केवल संस्थान निर्माण नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना और विभिन्न संस्थानों में वर्षों सेवा देने के बाद ब्रिगेडियर डॉ. पी.एन. सिंह का अपने गांव लौटकर वहां अस्पताल, नर्सिंग कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज, आईटीआई और सैनिक पब्लिक स्कूल जैसे संस्थानों की स्थापना करना पूरे देश के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि यह वही भाव है, जिसे हमारे शास्त्रों में "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी" कहा गया है।

जन्मभूमि और मातृभूमि से बड़ा कुछ नहीं हो सकता-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि लंका विजय के बाद जब लक्ष्मण ने स्वर्णमयी लंका की समृद्धि की चर्चा की थी, तब भगवान श्रीराम ने कहा था, "अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।" मुख्यमंत्री ने कहा कि यही भारतीय संस्कृति का मूल दर्शन है। चाहे व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न बन जाए, उसकी जन्मभूमि और मातृभूमि से बड़ा कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि ब्रिगेडियर डॉ. पी.एन. सिंह ने इसी आदर्श को अपने जीवन में उतारा है। भारतीय सेना के आर्मी मेडिकल कोर में वर्षों तक सेवा देने के बाद उन्होंने अपनी जन्मभूमि ताजोपुर लौटने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव लौटकर उन्होंने जिस प्रकार स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के केंद्र खड़े किए हैं, वह ग्रामीण भारत के लिए विकास का आदर्श मॉडल है।

डॉ. प्रमोद देशवाल के पैसे लेते हुए वायरल वीडियो मामले में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अफजलगढ़ ट्रांसफर

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। स्वास्थ्य विभाग में रिश्वतखोरी के आरोपों के बीच वायरल वीडियो प्रकरण में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग के नोडल अफसर डॉ. प्रमोद देशवाल का ट्रांसफर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अफजलगढ़ कर दिया गया है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) द्वारा आदेश जारी कर दिए गए हैं। वहीं जिलाधिकारी बिजनौर ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। जिलाधिकारी बिजनौर जसजीत कौर ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का तत्काल संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। निर्देशों के अनुपालन में डॉ. प्रमोद देशवाल का चार्ज बदल दिया गया है तथा उन्हें फील्ड एक्टिविटी से भी हटा दिया गया है। जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए सीएमओ और एडीएम की संयुक्त टीम गठित की गई है। जांच के दौरान यदि चार्ज दिए जाने में किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो डॉ. प्रमोद देशवाल के साथ-साथ संबंधित अधिकारी के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने साफ किया है कि भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि गुरुवार को नजीबाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र समीपुर में तैनात स्वास्थ्य विभाग के नोडल अफसर डॉ. प्रमोद देशवाल का रिश्वत लेते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वायरल वीडियो में आरोपी डॉक्टर एक झोलाछाप डॉक्टर से 5000 की रिश्वत लेते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में यह भी साफ सुनाई दे रहा है कि झोलाछाप डॉक्टर कह रहा है — "तेरे पास तीन-तीन चक्कर लगाने पड़ते हैं।" वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन में हड़कंप मच गया था, जिसके बाद अब प्रशासनिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख ने पूर्व मंत्री कमाल अख्तर व जगराम सिंह धोबी से मिलकर दी ईद की शुभकामनाएं

लोक तंत्र की शान, प्रवीण अग्रवाल, जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः त्याग और भाईचारे के पर्व ईद के मौके पर गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र खड़कवंशी ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं से शिष्टाचार भेंट कर ईद की मुबारकबाद दी,ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र खड़कवंशी, जो हाल ही में भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए हैं, सबसे पहले सपा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कमाल अख्तर के कैंप कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने कमाल अख्तर को गले मिलकर ईद की शुभकामनाएं दीं और उनका हाल-चाल जाना। कमाल अख्तर ने ब्लॉक प्रमुख का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें ईद की बधाई दी। इसके बाद ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र खड़कवंशी कमाल अख्तर के कैंप कार्यालय पर मौजूद पूर्व मंत्री जगराम सिंह धोबी से भी मिले तथा उन्हें ईद की मुबारकबाद दी तथा उनका कुशलक्षेम पूछा। इस दौरान तीनो नेताओं ने सामाजिक सौहार्द व गंगा-जमुनी तहजीब को मजबूत करने पर बल दिया। जगराम सिंह धोबी ने कहा कि ईद का त्योहार आपसी भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम देता है। ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र खड़कवंशी ने कहा, "ईद का त्योहार हमें प्रेम, एकता और सद्भाव का संदेश देता है। कमाल अख्तर जी और जगराम सिंह जी जैसे वरिष्ठ नेताओं का आशीर्वाद लेकर हमें जनता की सेवा के लिए नई ऊर्जा मिलती है। समाजवादी पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है।" उल्लेखनीय है कि राजेंद्र खड़कवंशी के समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद क्षेत्र की राजनीति में नए समीकरण बन रहे हैं। उनके द्वारा ईद के मौके पर वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात को सियासी गलियारों में अहम माना जा रहा है। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख के साथ कई स्थानीय सपा कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर ईद की खुशियां साझा कीं।

सिरसी वासियों की तरफ से मौलाना सैयद शबाब नकवी सिरसिवी का दिली शुक्रिया अदा, सालाना कार्यक्रम के शानदार इंतज़ामात की हर तरफ सराहना

लोक तंत्र की शान

संभल/सिरसी : दरगाह-ए-आलिया नजफ़-ए-हिन्द, जोगीपुरा बिजनौर में 21 मई से 24 मई तक आयोजित सालाना धार्मिक कार्यक्रम एवं मजलिसें इस वर्ष बेहद शानदार, अनुशासित और रूहानी माहौल में सम्पन्न हुईं। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न जनपदों और दूर-दराज़ इलाकों से बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। चार दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में जायरीन के लिए बेहतरीन व्यवस्थाएं देखने को मिलीं, जिसकी लोगों ने खुलकर तारीफ की। यह सालाना कार्यक्रम शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली ज़ैदी एवं शिया धर्मगुरु सैयद मौलाना कल्बे जव्वाद नकवी की सरपरस्ती में आयोजित हुआ। दोनों हस्तियों की रहनुमाई और सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसकी अकीदतमंदों ने जमकर सराहना की। दरगाह के एडमिनिस्ट्रेटर मौलाना सैयद शबाब नकवी सिरसिवी की देखरेख में पूरे कार्यक्रम के दौरान साफ-सफाई, रोशनी, पेयजल, जायरीन के ठहरने, सुरक्षा व्यवस्था, लंगर और अन्य जरूरी सुविधाओं का बेहद शानदार इंतज़ाम किया गया। दूरदराज़ से आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पूरी टीम लगातार मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाती रही। सिरसी वासियों ने मौलाना सैयद शबाब नकवी सिरसिवी की मेहनत, लगन और बेहतरीन प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाया है। लोगों का कहना है कि मौलाना शबाब नकवी के नेतृत्व में दरगाह के सालाना कार्यक्रमों की व्यवस्था लगातार बेहतर होती जा रही है और यही वजह है कि हर वर्ष अकीदतमंदों की संख्या में इज़ाफा देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों ने कहा कि मौलाना सैयद शबाब नकवी सिरसिवी अपनी सादगी, अच्छे अखलाक और खिदमत के जज़्बे की वजह से लोगों के दिलों में खास मुकाम रखते हैं। सिरसी वासियों ने उनका दिली शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उन्होंने दरगाह की खिदमत को अपनी जिम्मेदारी समझकर पूरी मेहनत और ईमानदारी से अंजाम दिया है, जो काबिले-तारीफ है। कार्यक्रम में शामिल अकीदतमंदों ने दरगाह-ए-आलिया नजफ़-ए-हिन्द की तरक्की, अमन-ओ-अमान और खुशहाली के लिए दुआएं करते हुए सभी जिम्मेदार लोगों का आभार व्यक्त किया।

नगर पालिका, प्रशासन और जनता के संयुक्त प्रयासों से सफल रही ईद व्यवस्थाएं : रफीक अंसारी ठेकेदार

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबादः समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता हाजी रफीक अंसारी ठेकेदार ने कहा कि नजीबाबाद नगर में ईद-उल-अज़हा के पावन अवसर पर नगर पालिका प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। पूरे नगर में स्वच्छता व्यवस्था बेहद सराहनीय रही, जिसके चलते आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। रफीक अंसारी ठेकेदार ने नगर पालिका एवं प्रशासन की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि त्योहार के दौरान व्यवस्थाएं संतोषजनक रहीं। नगर पालिका की टीमों ने विभिन्न मोहल्लों एवं प्रमुख स्थानों पर लगातार सफाई कार्य किया तथा समय-समय पर कूड़ा उठान एवं स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखा। प्रशासन द्वारा भी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की गई, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण एवं स्वच्छ वातावरण में संपन्न हुआ। हाजी रफीक अंसारी ठेकेदार ने कहा कि प्रशासन की तत्परता एवं कर्मचारियों की मेहनत सराहना योग्य है। इस अवसर पर नगरवासियों ने भी जिम्मेदारी का परिचय देते हुए प्रशासन का पूरा सहयोग किया तथा स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नगर की जनता, सामाजिक संगठनों एवं युवाओं के सहयोग से ईद का त्योहार भाईचारे, सौहार्द एवं स्वच्छ वातावरण में मनाया गया। रफीक अंसारी ठेकेदार ने नगरवासियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि जनता के सहयोग से ही इस प्रकार की व्यवस्थाएं सफल हो पाती हैं।

भारत रत्न स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह एक नाम नहीं विचारधारा है वसीम अहमद बख्श

लोक तंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद : दिनांक 29-5-2026 को नजीबाबाद मोटा महादेव मंदिर निकट द्रोणा इंटरनेशनल एकेडमी में स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की पुण्यतिथि बनाई गई। सर्वप्रथम स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको श्रद्धांजलि दी गई। एकेडमी के डायरेक्टर वसीम अहमद बख्श ने कहा कि स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह एक नाम नहीं बल्कि एक विचारधारा है। चौधरी साहब ने अपना जीवन बेहद सादगी तथा ईमानदारी के साथ गुजारा था तथा किसान, मजदूर तथा आम आदमी के लिए हमेशा अपनी आवाज़ को प्रमुखता से उठाते थे। चौधरी साहब ने अपने राजनीतिक जीवन में अल्पसंख्यक आयोग का गठन तथा कृषि एवं भूमि सुधार हेतु कई महत्वपूर्ण कार्य किए, समाजसेवी, इरफान खान तथा वसीम फरीदी ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए राहुल चौहान, विक्रम सिंह, दानिश आदि उपस्थित रहे

डीएम डॉ0 नितिन गौड़ ने किए सर्वाधिक मूल्य के बैनामों के स्थल निरीक्षण, करापवंचन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

लोक तंत्र की शान, प्रवीण अग्रवाल, जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा/ हसनपुरः शासन द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी डॉ० नितिन गौड़ ने शुक्रवार को जनपद के उप निबंधक कार्यालयों में पंजीकृत सर्वाधिक मूल्य के बैनामों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि स्टांप चोरी कर राजस्व को नुकसान पहुंचाने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही जनपदवासियों से अपील की कि पर्याप्त स्टांप शुल्क अदा कर ही लेखपत्र यानी बैनामा पंजीकृत कराएं। निरीक्षण की शुरुआत हसनपुर तहसील से हुई। जिलाधिकारी ने सहायक महानिरीक्षक निबंधन अनूप कुमार सिन्हा व क्षेत्रीय लेखपाल के साथ ग्राम दाऊदपुर बुजुर्ग स्थित गाटा संख्या 98, 99 आदि तथा 60, 62 आदि में अंतरित की गई संपत्ति का मौके पर जाकर सत्यापन किया। इस दौरान उन्होंने राजस्व अभिलेखों से मिलान कर संपत्ति की वास्तविक स्थिति, उपयोग व बाजार मूल्य का आकलन किया। इसके बाद डीएम का काफिला धनौरा क्षेत्र में पहुंचा। वहां उप निबंधक व क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा चिन्हित ग्राम बछरायूं स्थित गाटा संख्या 2193मि० व 2194 में हुई रजिस्ट्री का निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि पक्षकारों द्वारा महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर करापवंचन किया गया है। संपत्ति के वास्तविक स्वरूप और उपयोग को गलत दर्शाकर स्टांप शुल्क की चोरी की गई। मामला सामने आने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सहायक महानिरीक्षक निबंधन, अमरोहा को तत्काल उक्त प्रकरणों में वाद दर्ज कराने के निर्देश दिए। साथ ही सभी उप निबंधक कार्यालयों में पंजीकृत विलेखों की गुणवत्तापूर्ण एवं गहन जांच के आदेश दिए। डीएम ने कहा कि जांच में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी।

उन्होंने कहा "सरकारी राजस्व की चोरी एक गंभीर अपराध है। इससे विकास कार्य प्रभावित होते हैं। हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह नियमानुसार स्टांप शुल्क जमा करे।" इस अवसर पर संबंधित उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, उप निबंधक व राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है।

संक्षिप्त समाचार

8636 लीटर विदेशी शराब पकड़ी, ईंट भट्टे के पास से ट्रक और दो पिकअप जब्त, मामला दर्ज

लोकतंत्र की शानः हाजीपुर। वैशाली में मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो बिहार (P&SNCB) और बिदुपुर थाना पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 8636.76 लीटर विदेशी शराब जब्त की। यह कार्रवाई मजलिसपुर गांव स्थित एक ईंट भट्टे के पास की गई। इस दौरान शराब तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे एक ट्रक और दो पिकअप वाहन भी पकड़े गए। P&SNCB को बाहरी राज्य से बिहार में विदेशी शराब के परिवहन की गुप्त सूचना मिली थी। इसी आधार पर बिदुपुर थाना पुलिस के सहयोग से त्वरित अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक वैशाली के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 के नेतृत्व और थानाध्यक्ष बिदुपुर की टीम द्वारा की गई। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार, मजलिसपुर गांव स्थित तेजनारायण सिंह के ईंट फैक्ट्री के आसपास अवैध रूप से विदेशी शराब की तस्करी की जा रही थी। मौके पर पहुंची टीम ने एक ट्रक पर लदी भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ-साथ दो पिकअप वाहनों को जब्त किया। हालांकि, इस कार्रवाई में अभी तक किसी तस्कर की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस संलिप्त लोगों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। बिदुपुर थाना में इस संबंध में एक मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि तस्करों के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए जांच जारी है।

शादी के छह महीने बाद नवविवाहिता की अस्पताल में मौत मुजफ्फरपुर में उल्टी की शिकायत पर हुई थी भर्ती

लोकतंत्र की शानः मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में आज इलाज के दौरान एक नवविवाहिता की मौत हो गई। घटना के बाद परिजन भड़क उठे और अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा व नारेबाजी की। हंगामे की सूचना पर ब्रह्मपुरा थाना पुलिस पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। मृतका की पहचान मनियारी थाना क्षेत्र के रामपुरकशी नटरौली गांव निवासी राकेश सहनी की 22 साल की पत्नी प्रीति देवी के रूप में हुई है। प्रीति की शादी महज छह महीने पहले ही हुई थी। परिजनों ने बताया कि गुरुवार को प्रीति देवी को उल्टी की शिकायत होने पर इलाज के लिए जूरन छपरा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मरीज को कोई गंभीर बीमारी नहीं थी, बावजूद इसके इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि गलत इलाज और लापरवाही के कारण प्रीति की जान गई है। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि मौत के बाद जब उन्होंने अस्पताल कर्मियों से जानकारी लेने की कोशिश की, तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने परिजनों को धक्का देकर बाहर निकाल दिया। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। लोगों का आक्रोश बढ़ता देख अस्पताल के कई कर्मी और संचालक मौके से फरार हो गए। इधर, मामले की सूचना पर पहुंचे ब्रह्मपुरा थाना प्रभारी विपिन रंजन ने बताया कि महिला मरीज की मौत की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। परिजनों की ओर से इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया गया है। हंगामा कर रहे लोगों को समझाकर स्थिति को शांत कराया गया है। पुलिस परिजनों का बयान दर्ज कर रही है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। मामले की जांच जारी है।

सुबह-सुबह तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश, काले बादलों से दिन में छाया अंधेरा

लोकतंत्र की शानः मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शुक्रवार की सुबह अचानक मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। सुबह करीब 6 बजे तक तेज धूप खिली हुई थी, लेकिन 7:30 बजे के आसपास अचानक आसमान में घने काले बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगीं। कुछ ही देर में स्थिति ऐसी हो गई कि दिन में ही अंधेरे जैसा माहौल बन गया। सड़कों पर चल रहे वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर गुजरना पड़ा। इसके बाद तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली। पिछले दो दिनों से जिले में मौसम लगातार करवट बदल रहा है। कभी तेज धूप और गर्मी तो कभी आंधी और हल्की बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार सुबह हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम सुहावना हो गया। सुबह के समय अचानक बदले मौसम को लेकर लोग भी हैरान दिखे। मौसम विभाग ने पहले ही 27 से 31 मई तक बारिश, तेज हवा और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया था। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने के कारण उत्तर बिहार के मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कभी आंधी-बारिश तो कभी तेज धूप लोगों को परेशान कर रही है। पूसा स्थित ग्रामीण मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले दो दिनों तक जिले के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। केंद्र के नोडल पदाधिकारी डॉ. ए. सत्तार ने बताया कि जिले के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों समेत कई इलाकों में बारिश के आसार बने हुए हैं। साथ ही 25 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से पुरवा हवा चल सकती है। बीते 24 घंटे में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि न्यूनतम तापमान में सुधार हुआ है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री कम रहा। इस दौरान करीब 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पुरवा हवा चलने के कारण वातावरण में नमी बनी रही। हालांकि वाष्पीकरण की दर घटने से उमस में कुछ कमी महसूस की गई। मौसम विभाग ने खराब मौसम के दौरान लोगों से सतर्क रहने और तेज हवा व बारिश के समय सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

मुजफ्फरपुर में 2 बच्चियों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा, पुलिस ने डूबने से मौत बताया था

लोकतंत्र की शानः मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के रामपुरहरि में 13 मई को दो चचेरी बहनों की लाश मिली थी। पुलिस ने कहा था कि, मौत डूबने से हुई है। दोनों बच्चियों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट अब आ गई है। रिपोर्ट में लिखा गया है कि, 'छाती, चेहरे पर खरोंच, पसलियां, लीवर और फेफड़े फटे हुए थे। छाती के अंदर खून के थक्के भी मिले थे। प्राइवेट पार्ट पर भी खून जमा मिला। बच्चियों के शरीर की स्कीन काली पड़ चुकी थी। गर्दन के कुछ हिस्से पर मांस का ऊपरी हिस्सा हड्डियों समेत गायब था। दोनों बच्चियों की हत्या किसी भारी ऑब्जेक्ट से हमला कर निर्मम तरीके से की गई थी।' दरअसल, रामपुरहरि थाना क्षेत्र से 11 मई को दो चचेरी बहनें, जिनकी उम्र 12 और 7 वर्ष थी, अचानक लापता हो गई थीं। इसके दो दिन बाद 13 मई को दोनों के शव घर से करीब 200 मीटर दूर एक चिमनी के पानी भरे गड्ढे के पास बरामद किए गए थे। मौके पर एसएसपी, ग्रामीण एसपी सहित कई अधिकारी पहुंचे थे। एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड ने भी जांच की थी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा था, जिसकी रिपोर्ट गुरुवार की रात सामने आई है। मुजफ्फरपुर के श्री कृष्णा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (SKMCH) के फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों बच्चियों के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए। डॉक्टरों ने पोस्टमॉर्टम से पहले शवों से कीचड़ को साफ किया। 7 साल बच्ची के हाथ के ऊपरी हिस्से पर मौत से पहले चोट के निशान मिले। वहीं दोनों बहनों की छाती, चेहरे की मांसपेशियां, पसलियां, लीवर और फेफड़े क्षतिग्रस्त पाए गए। छाती के अंदर खून के थक्के भी मिले। 12 साल की किशोरी के पोस्टमॉर्टम के दौरान डॉक्टरों को उसके नाजुक अंग में खून जमा मिला। रिपोर्ट में इस बात की भी जिक्र है कि, स्कीन काली पड़ चुकी थी और गर्दन की मांसपेशियों का ऊपरी हिस्सा हड्डियों के टुकड़ों समेत गायब था। पैर के कुछ हिस्सों को जानवरों की ओर से नोचने के भी संकेत मिले हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों की ओर से स्पष्ट तौर पर कहा है कि दोनों बच्चियों की हत्या किसी भारी ऑब्जेक्ट से वार कर की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, अपहरण वाली रात ही दोनों मासूमों की हत्या कर दी गई थी।

सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश, 10 जून तक ब्लैक स्पॉट हटाने का लक्ष्य

लोकतंत्र की शानः मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता

सहरसाः सहरसा में आज जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। बैठक में जिले में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों को समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सक्षम प्राधिकार के निर्देशों के आलोक में 10 जून 2026 तक जिले के सभी ब्लैक स्पॉट्स को अनिवार्य रूप से समाप्त करने का निर्देश संबंधित तकनीकी विभागों को दिया। शहर के ट्रैफिक सिग्नलों पर सड़क सुरक्षा नियमों के सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने हेतु पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। इसके अलावा बरियाही से बनगांव सड़क के समुचित संधारण, रेन कट्स एवं ढलान नालियों की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश भी दिए गए। वाहन परिचालन के दौरान प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित नियमों के नियमित अनुपालन हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में यह भी निर्देश दिया कि पुल से संबंधित वेंट को शीघ्र ठीक कराया जाए तथा पुल के 500 मीटर अप एवं डाउन क्षेत्र में खनन कार्य पूरी तरह प्रतिबंधित रहे, इसे सुनिश्चित करने के लिए जिला खनन कार्यालय को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। शहर में संचालित वाहनों की पार्किंग केवल चिन्हित स्थलों पर ही सुनिश्चित करने के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, सिविल सर्जन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कैपिटल एक्सप्रेस में यात्री की मौत, रात भर परिजन रहे परेशान

एजेंसी, पटना

कैपिटल एक्सप्रेस(13247) में एक यात्री की मौत हो गई है। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के चंदौली निवासी सुरेश कुमार राय(48) के तौर पर हुई है। गुवाहाटी में एनम इलेक्ट्रिक में सब मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार की सुबह परिजनों की मौजूदगी में पटना PMCH में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

संपर्क नहीं होने पर रेलवे में शिकायत की गईः पत्नी रीना राय ने बताया कि बुधवार को गुवाहाटी से 15 दिनों के लिए छुट्टी पर घर के लिए चले थे। शाम 6 बजे तक बहुत अच्छे से बातचीत हुई। इसके बाद लगातार कॉल करते रहे, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। पूरी रात परेशान रहे। कैपिटल एक्सप्रेस के S2 कोच में उनकी सीट थी। जब काफी कोशिश के बाद भी संपर्क नहीं हो पाया तो हमलोगों ने रेलवे में इसकी शिकायत की।

गुरुवार की सुबह PNR नंबर के जरिए उस कोच में मौजूद टीटीई से संपर्क कराया गया। उनको मैंने बताया कि काफी कोशिश के बाद फोन नहीं उठ रहा है। S2 में 7 नंबर सीट है। जाकर देखिए और बात कराइए। कुछ देर बाद जानकारी मिली कि सीट पर बेहोशी की हालत में पड़े हैं। हालत ठीक नहीं है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा क्लियरः परिजनों के मुताबिक रमेश राय बिल्कुल पहले से स्वस्थ थे। कोई बीमारी नहीं थी। बातचीत के दौरान भी वैसा कुछ नहीं बताया था। इधर, रेलवे पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल मामले की छानबीन की जा रही है।

बाढ़ नाव हादसा, अब तक 5 शव बरामद, 2 लापता टुनटुन ने जान पर खेलकर पांच लोगों की जान बचाई

लोकतंत्र की शानः पटना

पटना जिले के बाढ़ में गुरुवार को उमानाथ मंदिर के सामने गंगा नदी में नाव पलटने से 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि 2 लोग अभी भी लापता है। एनडीआरएफ की टीम खोजबीन में जुटी है। लीला देवी (30), श्रवण महतो (36), काशी कुमार (14), कंचन उर्फ कबूतरी (16), नीलम देवी (40) का शव बरामद हो चुका है। राहुल कुमार और ममता देवी अभी भी लापता है। इस हादसे में नाव सवार टुनटुन की पत्नी की मौत हो गई, लेकिन उसने अपनी जान की बाजी लगाकर 5 लोगों की जान बचाई। टुनटुन ने बताया कि जब नाव तेज धार में फंसी थी, तब वे लगातार नाव से पानी बाहर फेंक रहे थे। अचानक तेज हवा से पलट गई। उसमें सवार सभी चौदह लोग गंगा की तेज धारा में बहने लगे।

आंखों के सामने पत्नी डूब गई, बचा नहीं सकाः मेरी पत्नी भी बहने लगी। उसने मदद के लिए पुकारा। उस समय मैं अपने बहनोई को बचाने में लगा था। बहनोई को तो बचा लिया, लेकिन पत्नी को नहीं बचा सका। मेरे आंखों के सामने डूब गई। दो मिनट की यह दूरी हमेशा की दूरी में बदल गई। इसके बाद भी उसने हिम्मत नहीं हारी। पानी में डूब रहे दूसरे लोगों को बचाया। बेटे की शादी पिछले महीने 6 अप्रैल को हुई थी। पत्नी श्रृंगार की दुकान चलाती थी। खेती में भी हाथ बंटाती थी।

मामला बिगड़ने पर नाविक भाग गयाः टुनटुन ने हादसे के लिए नाविक को जिम्मेवार ठहराया है। उन्होंने बताया कि वह बार-बार उसे रास्ता बदलने के लिए कह रहा था, लेकिन उसने बात नहीं मानी। एक बार तेज लहर आने पर नाव संभल गई, लेकिन दूसरी लहर में वह पलट गई। बड़े भाई ने भी अपने परिवार के चार सदस्यों को बचाया, जबकि नाविक लोगों को डूबता देख भाग निकला।

सरकार की ओर से 4-4 लाख की मददः अंचलाधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जितने भी शव मिले हैं सभी के परिजनों को चार-चार लाख रुपया अनुग्रह राशि का चेक दे दिया गया है। बाकी शव मिलने पर उन लोगों को भी अनुग्रह राशि दी जाएगी।

सबका सम्मान-जीवन आसान कार्यक्रम में 29 मामलों की सुनवाई, समयबद्ध निष्पादन के निर्देश

लोकतंत्र की शानः मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता

सहरसाः सहरसा में ''सबका सम्मान-जीवन आसान'' (Ease of Living) कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित जनता से संवाद कार्यक्रम में कुल 29 मामलों की सुनवाई की गई। यह कार्यक्रम सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के अंतर्गत पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आम नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं। सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों में उल्लिखित समस्याओं का नियमानुसार शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए तथा अनुपालन प्रतिवेदन समय पर उपलब्ध कराया जाए। कार्यक्रम में लौकही, बिहरा निवासी श्री बमबम कुमार ने पेंशन राशि नहीं मिलने की शिकायत की, जिस पर सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। वहीं, बैराही बैजनाथपुर निवासी श्री रासबिहारी यादव द्वारा भूमि विवाद से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसे बंदोबस्त पदाधिकारी को निष्पादन के लिए अग्रसारित किया गया। इसी क्रम में श्रीमती रंजो देवी द्वारा भी भूमि विवाद से संबंधित आवेदन दिया गया, जिस पर अंचलाधिकारी, सोनवर्षा को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता श्री गणेश कुमार (वि० जांच) सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सहरसा में आधुनिक आधार सेवा केंद्र शुरू, नागरिकों को मिलेगी सुगम और प्राथमिकता सेवाएं

लोकतंत्र की शानः मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता

सहरसाः सहरसा जिले में आम नागरिकों को बेहतर एवं सुगम आधार सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) द्वारा आधुनिक सुविधाओं से युक्त "आधार सेवा केंद्र" की शुरुआत की जा रही है। इस केंद्र पर आधार नामांकन, मोबाइल नंबर अपडेट, पता सुधार, बायोमेट्रिक अपडेट तथा बच्चों के आधार अपडेट सहित सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इस आधार सेवा केंद्र की खास बात यह है कि यहां बुजुर्ग नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सुविधा एवं प्राथमिकता सेवा की व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें लंबी कतारों में प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। केंद्र पर व्हीलचेयर सुविधा, आरामदायक बैठने की व्यवस्था तथा सहयोगी स्टाफ भी उपलब्ध रहेगा। UIDAI के दिशा-निर्देशों के अनुरूप यह केंद्र नागरिकों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं सुगम सेवाएं प्रदान करेगा। यहां आधार से संबंधित सभी सेवाएं निर्धारित सरकारी शुल्क पर ही उपलब्ध होंगी। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि आधार से जुड़े किसी भी कार्य के लिए केवल अधिकृत आधार सेवा केंद्र का ही उपयोग करें तथा निर्धारित शुल्क से अधिक भुगतान न करें।

उपलब्ध सेवाएंः या आधार नामांकन (निःशुल्क) मोबाइल नंबर एवं पता अपडेट बायोमेट्रिक अपडेट 5-7 एवं 15-17 वर्ष के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (निःशुल्क) आधार डाउनलोड एवं रंगीन प्रिंट की सुविधा

विशेष सुविधाएंः बुजुर्गों के लिए प्राथमिकता सेवा गर्भवती महिलाओं हेतु विशेष सहायता दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर सुविधा आरामदायक बैठने एवं प्रतीक्षा की व्यवस्था

नोटः आधार नामांकन निःशुल्क है तथा अन्य सभी अपडेट के लिए UIDAI द्वारा निर्धारित शुल्क ही देय है। अपॉइंटमेंट बुकिंग के लिए UIDAI की आधिकारिक वेबसाइट https://bookappointment.uidai.gov.in पर विजिट करें।

दानापुर में 3 युवक गिरफ्तार, देसी कट्टा बरामद

लोकतंत्र की शानः पटना

ई-रिक्शा से 55 लीटर विदेशी शराब जब्त, पूछताछ के बाद तीनों को भेजा जेल

दानापुर पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक को हथियार के साथ, जबकि दो 54.9 लीटर विदेशी शराब के साथ पकड़ा है। एएसपी शिवम धाकड़ ने इसकी पुष्टि की है।हली कार्रवाई नासरीगंज थाना क्षेत्र में की गई है। एएसपी ने बताया कि गुरुवार देर शाम डीआईयू टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि नासरीगंज कुशवाहा पंचायत बिल्डिंग के पीछे एक युवक हथियार के साथ मौजूद है। टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली। उसके पास से एक कट्टा मिला। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह नशे का सेवन करता है। धौंस जमाने तथा छोटी-मोटी आपराधिक घटनाओं के लिए हथियार रखता था।

ई-रिक्शा से शराब बरामदः दूसरे मामले में, पुलिस ने चौधराना रोड से एक ई-रिक्शा से अवैध विदेशी शराब के साथ दो तस्कर मनीष कुमार और मोनू कुमार को गिरफ्तार किया। 305 टेट्रा पैक(54.9 लीटर) अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। ई-रिक्शा को भी जब्त कर लिया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार सभी युवकों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पटना साहिब में 2 घंटे तक रुकी रही वंदे भारत

लोकतंत्र की शानः पटना

पटना में शुक्रवार सुबह तेज आंधी-बारिश के कारण हावड़ा जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस(22348) पटना साहिब स्टेशन पर करीब दो घंटे तक खड़ी रही। ट्रेन के पावर सप्लाई सिस्टम में एक बैनर फंसने से तकनीकी खराबी आ गई थी, जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

आंधी के चलते फंसा बैनरः पटना से कोलकाता जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस गुलजारबाग इलाके के पास पहुंची थी, तभी तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। आंधी के कारण एक बड़ा बैनर और कपड़ा उड़कर ट्रेन के पेंटोग्राफ और बिजली सप्लाई लाइन में फंस गया। जिसके बाद ट्रेन के ऊपर से चिंगारी निकलने लगी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए लोको पायलट ने सूझबूझ का परिचय दिया। किसी बड़े हादसे से बचने के लिए ट्रेन को धीरे-धीरे खींचकर पटना साहिब स्टेशन तक पहुंचाया।

स्टेशन मास्टर उपेंद्र कुमार ने बताया कि यह घटना गुलजारबाग स्टेशन के नजदीक हुई थी। बैनर फंसने से पेंटोग्राफ में तकनीकी खराबी आ गई थी। सूचना मिलते ही टीआरडी विभाग के इंजीनियर मौके पर पहुंचे और मरम्मत कार्य किया। ट्रेन सुबह करीब 8:15 बजे से 10:15 बजे तक पटना साहिब स्टेशन पर रुकी रही। रेलवे के तकनीकी इंजीनियरों की टीम ने फंसे हुए बैनर और कपड़े को हटाया।

कला प्रेमियों और विभाग के बीच बनेगा सीधा संवाद

लोकतंत्र की शानः पटना

बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा राज्य की सांस्कृतिक विरासत, कला गतिविधियों और विभागीय कार्यक्रमों को एक मंच पर लाने की दिशा में एक नई पहल की गई है। आज विकास भवन में स्थित कला संस्कृति विभाग में विभागीय पत्रिका 'संवाद' का औपचारिक लोकार्पण किया गया। इस मौके पर विभाग के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने पत्रिका का विमोचन करते हुए इसे कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक शुरुआत बताया। मंत्री ने कहा, यह पत्रिका हर तीन महीने पर प्रकाशित होगी। इसमें विभाग से जुड़ी सभी गतिविधियों, सांस्कृतिक आयोजनों, कला कार्यक्रमों, कलाकारों की उपलब्धियों और विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रकाशित की जाएगी।

कला-संस्कृति से जुड़ी प्रमाणिक जानकारी का बनेगा दस्तावेजः कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा, अब तक बिहार की कला और संस्कृति से संबंधित कोई ऐसा प्रमाणिक और नियमित साहित्य उपलब्ध नहीं था, जिसमें विभाग की गतिविधियों और सांस्कृतिक आयोजन का समग्र विवरण एक साथ मिलता हो। इसी कमी को दूर करने के उद्देश्य से 'संवाद' पत्रिका की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा, बिहार लोक कला, संगीत, नृत्य, रंगमंच, साहित्य और सांस्कृतिक परंपराओं का बड़ा केंद्र रहा है, लेकिन इन गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से दस्तावेज के रूप में संरक्षित करने की दिशा में लगातार प्रयास की जरूरत थी।

विभाग और कला प्रेमियों के बीच बनेगा संवाद का सेतुः मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि 'संवाद' केवल एक विभागीय पत्रिका नहीं है, बल्कि यह विभाग और समाज के बीच एक सकारात्मक संवाद स्थापित करने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा, अक्सर लोगों को विभाग की गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी नहीं मिल पाती, लेकिन इस पत्रिका के माध्यम से कला और संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम सीधे लोगों तक पहुंचेंगे। आने वाले समय में 'संवाद' पत्रिका व्यापक रूप से लोकप्रिय होगी और लोग इसे पढ़कर बिहार की कला एवं संस्कृति की विविधता और समृद्ध परंपराओं को और करीब से जान सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सोनीपतः महिला हत्या मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, लूट का खुलासा

लोकतंत्र की शान : सोनीपत। सोनीपत के जटवाड़ा में महिला हत्या मामले में अपराध शाखा-एक ने शुक्रवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने महिला की हत्या के बाद सोने की चेन, कड़ा, अंगूठी औरबाली लूट ली थी।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वारदात पहले से बनाई गई साजिश थी या अचानक अंजाम दी गई। पुलिस के अनुसार, 24 मई को जटवाड़ा स्थित सरकारी स्कूल के सामने गली में रहने वाली संतोष का शव उनके घर के बाथरूम में मिला था। महिला घर में अकेली रहती थी। काफी समय तक बाहर दिखाई नहीं देने पर पड़ोसियों को शक हुआ। पड़ोसी हालचाल जानने के लिए घर पहुंचे तोदरवाजा खुला मिला। अंदर जाकर देखा तो बाथरूम में महिला का शव पड़ा था। घटनास्थल पर महिला के दोनों हाथ और पैर चुन्नी से बंधे हुए थे, जबकि मुंह में कपड़ा ठूंसा गया था। शव की हालत देखकर हत्या की आशंका जताई गई। पुलिस ने मौके से कई अहम सुराग जुटाए और घर की जांच की। जांच में सामने आया कि घर का मुख्य गेट खुला था और कमरे में एसी चल रहा था। महिला का मोबाइल फोन और अन्य सामान घर में ही मिला। शुरुआत में हत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया था। इसके बाद पुलिस ने लूट, रंजिश और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई। मामलेमें एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी जांच और पूछताछ के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकित और विक्रांत के रूप में हुई है। दोनों जटवाड़ा गांव के रहने वाले हैं। डीसीपी वेस्ट कुशल पाल सिंह साथ में सीआईए 1 इंचार्ज इंस्पेक्टर राजीव ने सुयंक्त रुप से बताया कि विक्रांत ने निजी कॉलेज से वकालत की पढ़ाई की है, जबकि अंकित एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह भी जांच की जा रही है कि वारदात में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है। पुलिस आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।

भत्तों का भुगतान न होने से भड़के रोडवेज कर्मचारी, फतेहाबाद में धरना देकर दिया ज्ञापन

लोकतंत्र की शान : फतेहाबाद। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के आह्वान पर शुक्रवार को फतेहाबाद डिपो में रोडवेज कर्मचारियों ने देय भत्तों का समय पर भुगतान न होने के विरोध में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने विभाग और स्थानीय प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और रोष जताया। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने परिवहन मंत्री के नाम महाप्रबंधक को एक मांग पत्र सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता हनुमान वर्मा, राजकुमार बीघड़, विजय नागपुर और हर्ष डारा ने कहा कि चालक, परिचालक और अन्य स्टाफ विपरीत परिस्थितियों में भी जनता को ईमानदारी से सेवाएं दे रहे हैं। इसके बावजूद उनके देय भत्तों का समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है। नेताओं ने आरोप लगाया कि फतेहाबाद डिपो का रात्रि ठहराव भत्ता 1 नवंबर 2024 से और ओवरटाइम का भुगतान 1 जनवरी 2026 से लंबित है। इसके अलावा कई कर्मचारियों की एलटीसी का भी भुगतान नहीं किया गया है। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि परिवहन मंत्री अनिल विज ने 5 नवंबर 2024 को एक पत्र जारी कर विभाग के सभी महाप्रबंधकों को कर्मचारियों के वेतन, रात्रि ठहराव भत्ता, ओवरटाइम, एलटीसी और शिक्षा भत्ता जैसे सभी लाभ समय पर देने के सख्त लिखित आदेश दिए थे। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर कभी बजट की कमी तो कभी बजट पर कैप लगने का बहाना बनाकर भुगतान रोका जा रहा है, जिससे कर्मचारियों को भारी आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोडवेज नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि परिवहन मंत्री ने भत्तों का समय पर भुगतान सुनिश्चित नहीं किया और बजट पर बार-बार कैप लगने की समस्या का स्थाई समाधान नहीं निकाला, तो सांझा मोर्चा के पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत सभी मंडलों पर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

एससी आयोग ने रवनीत सिंह बिट्टू के विवादित बयान पर संगरूर के एसएसपी से रिपोर्ट तलब की

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू द्वारा जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल के मामले में सू-मोटो नोटिस लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एस.एस.पी.), संगरूर से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से आयोग के ध्यान में यह मामला आया है कि केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने धूरी दौरे के दौरान जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया है। उन्होंने बताया कि आयोग ने सोशल मीडिया पर चल रही खबरों और वीडियो लिंक के आधार पर मामले का गंभीर नोटिस लिया है। इस संबंध में एसपी हेडक्वार्टर, संगरूर के माध्यम से जांच रिपोर्ट 1 जून को सुबह 9:00 बजे तक आयोग के समक्ष पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजा वड़िंग केस में पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने 1 जुलाई तक मांगी पुलिस रिपोर्ट

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से संबंधित मामले में पंजाब पुलिस से एक जुलाई तक एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है। आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि आयोग ने कांग्रेस पार्टी के प्रधान एवं सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग का चुनाव प्रचार के दौरान दलित समुदाय के प्रति जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल वाले बयान का स्वतः संज्ञान लिया था। उन्होंने बताया कि इस मामले की सुनवाई के दौरान आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयोग के समक्ष पेश हुए। उन्होंने आयोग को अवगत कराया कि संबंधित ऑडियो क्लिप की जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है तथा इस संबंध में तकनीकी तथ्यों को एकत्र किया जा रहा है। पंजाब पुलिस ने इस मामले से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए मेटा कंपनी को भी पत्र लिखा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मेटा से आवश्यक रिपोर्ट लगभग 30 दिनों के भीतर प्राप्त होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि आयोग ने उन्हें निर्देशित किया है कि संबंधित एक्शन टेकन रिपोर्ट तथा मेटा से प्राप्त जानकारी सहित पूरी रिपोर्ट 1 जुलाई को आयोग के समक्ष प्रस्तुत की जाए।

टोल प्लाजा के पास ट्रेलर ने आरटीओ गार्ड को कुचला, मौके पर मौत

लोकतंत्र की शान : पाली। जिले में जाडन टोल प्लाजा के पास गुरुवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में आरटीओ विभाग के संविदाकर्मी गार्ड की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रेलर ने वाहन जांच के दौरान गार्ड को कुचल दिया। हादसा इतना भयावह था कि शव की हालत देखकर मौके पर मौजूद आरटीओ इंस्पेक्टर की तबीयत भी बिगड़ गई। आरोपित ट्रेलर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार केशव नगर निवासी रामलाल (52) जाडन टोल प्लाजा के पास आरटीओ टीम के साथ वाहनों की जांच कर रहे थे। रात करीब साढ़े 12 बजे पाली से सोजत की ओर जा रहे एक ट्रेलर को रोकने के लिए रामलाल सड़क पर पहुंचे और चालक को वाहन साइड में लेने का इशारा किया। इसी दौरान चालक ने ट्रेलर सीधे रामलाल के ऊपर चढ़ा दिया। ट्रेलर का टायर उनके सिर और सीने के ऊपर से गुजर गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। आरटीओ इंस्पेक्टर शंभूलाल बलाई ने बताया कि हादसे के बाद रामलाल की चीख सुनकर टीम मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में उन्हें एंबुलेंस से बांगड़ हॉस्पिटल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पेट्रोल का अवैध परिवहन करने वाले ढीमरखेड़ा पुलिस की गिरफ्त में

लोकतंत्र की शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले में अवैध परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया एवं एस डी ओ पी महोदय स्लीमनाबाद श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी एवं थाना प्रभारी ढीमरखेड़ा अभिषेक चौबे के मार्गदर्शन में चौकी सिलौडी थाना ढीमरखेड़ा पुलिस द्वारा अवैध रूप से पैट्रोल का परिवहन करने वाले आरोपियों को अपनी गिरफ्त में लिया है। आपको बता दें कि दिनांक 28.05.2026 को चौकी सिलौड़ी थाना ढीमरखेड़ा पुलिस को मुखबिर की सूचना मिली कि ग्राम गोपालपुर तिराहा के पास से एक सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी में अवैध रूप से पेट्रोल रखा हुआ है। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर एक सफेद रंग की बोलेरो वाहन को पकड़ा गया और उक्त वाहन को चैक किया जिसमें 7 कैन पैट्रोल, प्रत्येक कैन में 50 ली पेट्रोल, कुल 350 लीटर, कीमती करीब 35000/रु. होना पाया गया। वाहन में आरोपी बोलेरो चालक मनोज साहू पिता नन्हेलाल साहू उम्र 47 नि ग्राम बम्हनी थाना उमरिया पान जिला कटनीऔर साथ में रामकेश पिता भारतलाल नि ग्राम बम्हनी थाना उमरिया पान जिला कटनी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। आरोपियों के पास पेट्रोल परिवहन करने के कोई वैद्य दस्तावेज प्राप्त नहीं हुए। आरोपियों के द्वारा ज्वलनशील पदार्थ उपेक्षा एवं लापरवाही पूर्णतः वाहन में परिवहन करने पाए जाने पर धारा 3,7 EC एक्ट एवं धारा 287 BNS के तहत जप्त के कब्जा पुलिस लिया गया। जप्तशुदा वाहन बोलेरो को सुरक्षार्थ चौकी परिसर में खड़ा कराया गया है विशेष भूमिका - इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी अनिल कुमार पाण्डेय , प्रधान आरक्षक अतुल शर्मा , आरक्षक रामसेवक विश्वकर्मा की विशेष भूमिका रही।

डूबने एवं सर्पदंश से मृत्यु के तीन प्रकरणों में 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। उपखंड अधिकारी रामपुर नैकिन विकास आनंद द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी 6(4)) के प्रावधानों के तहत पानी में डूबने एवं सर्पदंश से हुई मृत्यु के तीन प्रकरणों में कुल 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। खड्डी खुर्द निवासी सुखरजुआ तिवारी की कुएं में डूबने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनके निकटतम वारिस पुत्र तीरथ प्रसाद तिवारी तथा पुत्री दशमतिया साहू को 2-2 लाख रुपये, कुल 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। सी प्रकार हनुमानगढ़ निवासी अवनीश कुमार चौबे की सर्पदंश से मृत्यु होने पर उनके पिता बाबूलाल चौबे को निकटतम वारिस के रूप में 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। वहीं कुशमहर निवासी शिवेन्द्र सिंह की पानी में डूबने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनके पिता लखपति सिंह को निकटतम वारिस के रूप में 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। उपखंड अधिकारी विकास आनंद ने बताया कि शासन के निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में प्रभावित परिवारों को समय पर आर्थिक संबल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

चरका पानी में बढ़ती अश्लीलता पर लगाम की मांग

पर्यटन स्थल पर अश्लील वीडियो सूट कर किया जा रहा वायरल

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कुसमी स्थित चरका पानी पर्यटन स्थल पर इन दिनों कुछ युवक-युवतियां द्वारा नहाने एवं घूमने के बहाने अश्लील वीडियो और तस्वीरें बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। इस तरह की गतिविधियों से क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि चरका पानी प्राकृतिक एवं धार्मिक महत्व वाला स्थल है, जहां परिवार और पर्यटक घूमने पहुंचते हैं। लेकिन अशोभनीय हरकतों और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के कारण सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका बनी रहती है। लोगों ने मांग की है कि सीधी पुलिस प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करे तथा नियमित निगरानी और पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए। समय

रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो किसी अप्रिय घटना या अनहोनी की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन और पुलिस को चाहिए कि पर्यटन स्थलों की गरिमा बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर सख्ती से पालन करवाएं, ताकि क्षेत्र का वातावरण शांतिपूर्ण और सुरक्षित बना रहे।

मासूम बेटी को धमकाने के दौरान खुला हत्या का राज, पत्नी की हत्या कर शव जंगल में फेंकने वाला आरोपी गिरफ्तार

» कुसमी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आरोपी पति न्यायालय में पेश

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कुसमी थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है, जहां पत्नी की हत्या कर शव जंगल में फेंकने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले का खुलासा उस समय हुआ जब आरोपी अपनी डेढ़ वर्षीय बेटी को धमकाते हुए हत्या की बात कह बैठा। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी रमेश बैगा निवासी ग्राम कुन्दौर ने थाना कुसमी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 24 मई 2026 को वह घर लौट रहा था। इसी दौरान उसने अपने भाई बुद्धसेन बैगा को अपनी डेढ़ वर्षीय बेटी लक्ष्मी बैगा के साथ किराना दुकान पर बैठे देखा। बच्ची के रोने पर आरोपी ने धमकी देते हुए कहा कि "जैसे तुम्हारी मां गुड़िया को मारकर खोह में फेंक दिया, वैसे ही तुम्हें भी मार दूंगा।" यह बात सुनकर फरियादी को संदेह हुआ। आरोपी से पूछताछ करने पर उसने जंगल में शव फेंकने की बात स्वीकार की। इसके बाद फरियादी गांव के अमरजीत बैगा के साथ दुबाहिया जंगल स्थित मान डोगरी मादा पहुंचा, जहां एक कंबल में बंधा शव मिला, जिससे तेज दुर्गंध आ रही थी। शव की पहचान आरोपी की पत्नी गुड़िया बैगा के रूप में की गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना कुसमी पुलिस ने धारा 103(1), 238(क) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सीधी श्री संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी कुसमी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक अरूणा द्विवेदी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी बुद्धसेन बैगा पिता बाल्मीक बैगा उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम कुन्दौर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए घटना के समय पहने कपड़े एवं हत्या में प्रयुक्त सामग्री बरामद कराई। पुलिस ने सामग्री जप्त कर आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में निरीक्षक अरूणा द्विवेदी, सउनि नन्दप्रकाश सिंह, सउनि दिलीप कुमार रावत, प्रधान आरक्षक हृदयलाल दीवान, प्रधान आरक्षक बलवीर नीखरे, आरक्षक दिनकर दुबे, उमेश द्विवेदी, शिवराम वैस, अभिषेक मिश्रा, नितेश सिंह एवं डायल-112 चालक प्रणव पाठक की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तहसील कार्यालय के बाहर संचालित दुकानों का निरीक्षण, रेट लिस्ट प्रदर्शित करने के निर्देश

» एसडीएम के औचक निरीक्षण से मची खलबली
» आवेदकों से मनमानी शुल्क वसूली की शिकायतों पर प्रशासन सख्त
» बैठने एवं पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। आमजन को पारदर्शी एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपखंड अधिकारी रामपुर नैकिन विकास आनंद द्वारा तहसील कार्यालय परिसर के बाहर संचालित दुकानों एवं सेवा प्रदाताओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकानों द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं एवं उनसे लिए जा रहे शुल्क की जानकारी ली गई। एसडीएम विकास कुमार आनंद ने निरीक्षण के दौरान दुकानदारों एवं सेवा प्रदाताओं को स्पष्ट रूप से रेट लिस्ट प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए, ताकि नागरिकों को सेवाओं के निर्धारित शुल्क की जानकारी आसानी से मिल सके और अनावश्यक वसूली पर रोक लगाई जा सके। उपखंड अधिकारी ने रजिस्ट्री लेखकों एवं अन्य सेवा प्रदाताओं के लाइसेंसों की भी जांच की तथा सभी को अपने प्रतिष्ठानों में रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह तथ्य सामने आया कि एक पृष्ठ के साधारण आवेदन लिखने के लिए भी कुछ स्थानों पर आवेदकों से अत्यधिक शुल्क लिया जा रहा है, जिसकी शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थीं। इस पर प्रशासन ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्धारित एवं उचित शुल्क ही लेने की हिदायत दी।

नगर परिषद से एनओसी आवश्यक

एसडीएम के निरीक्षण में कुछ दुकानों के पास नगर परिषद की अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) नहीं पाई गई। ऐसे संचालकों को आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। बता दें कि नगर परिषद से एनओसी प्राप्त करने के बाद जहां यह सरकार की नजर में रहेगें वहीं रजिस्ट्रेशन कार्यवाही से नगर परिषद की राजस्व में भी वृद्धि होगी। एसडीएम ने अपने निरीक्षण के दौरान यह भी कहा कि दुकानदारों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उनके यहां आने वाले आवेदकों के लिए बैठने एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था उपलब्ध रहे। अगर इन सुविधाओं का आभाव अगले निरीक्षण में पाया गया तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही भी होगी।

उल्लंघन पर होगी कार्यवाही

उपखंड अधिकारी विकास कुमार आनंद ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता नागरिकों को पारदर्शी, सुलभ और सम्मानजनक सेवाएं उपलब्ध कराना है। आमजन से किसी भी प्रकार की अनुचित वसूली अथवा असुविधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समय-समय पर इस प्रकार के निरीक्षण जारी रहेंगे और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि अचानक आज दोपहर एसडीएम द्वारा किए गए इस निरीक्षण के बाद रजिस्ट्री लेखकों एवं स्टाम्प वेंडरों सहित अर्जी नवीसो के बीच खलबली मच गई।

मां-बेटी पर धारदार हथियार से हमला, 12 वर्षीय बच्ची की मौत

लोकतंत्र की शान

प्रतापगढ़। जिले के देवगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार देर रात दिल दहला देने वाली वारदात हुई। अज्ञात हमलावर ने घर के बाहर सो रही मां-बेटी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में 12 वर्षीय बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया गया है। देवगढ़ थाना अधिकारी नगजी राम ने बताया कि महिला (40) अपनी 12 वर्षीय बेटी के साथ गुरुवार रात घर के बाहर खाट पर सो रही थी। इसी दौरान देर रात अज्ञात हमलावर वहां पहुंचा और धारदार हथियार से दोनों पर हमला कर दिया। हमले में बच्ची की मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि महिला का पति और बेटा मजदूरी के लिए राजसमंद गए हुए थे। घर में केवल महिला और उसकी दो बेटियां थीं। 15 वर्षीय दूसरी बेटी उस रात पड़ोस में रिश्तेदारों के घर सोने चली गई थी। शुक्रवार सुबह जब वह घर लौटी तो मां और बहन को खून से लथपथ हालत में देखकर उसके होश उड़ गए। इसके बाद उसने ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल महिला को तुरंत प्रतापगढ़ जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे उदयपुर रेफर कर दिया।घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम सुबह मौके पर पहुंची। पुलिस और एफएसएल टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद महिला का पति और बेटा भी उदयपुर के लिए रवाना हो गए हैं।पुलिस अज्ञात हमलावर की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है।

चित्तौड़गढ़ में बड़ा हादसा टला, ओवरब्रिज के नीचे ट्रॉले से गिरा कंटेनर, बाल-बाल बचे लोग

लोकतंत्र की शान

चित्तौड़गढ़। शहर में भारी वाहनों की बेलगाम आवाजाही गुरुवार रात बड़ा हादसा बनते-बनते रह गई। जिला मुख्यालय स्थित नगर परिषद कार्यालय के बाहर ओवरब्रिज के नीचे मुड़ते समय ट्रॉले पर रखा कंटेनर अचानक पुलिया के पिलर से टकरा कर सड़क पर गिर पड़ा। गनीमत रही कि व्यस्तम मार्ग पर उस वक्त कोई वाहन या राहगीर चपेट में नहीं आया, वरना जनहानि तय थी।प्रत्यक्षदर्शी एडवोकेट विनय कुमार जैन ने बताया कि वह अपने पुत्र नैतिक जैन के साथ कैलाश नगर से शहर की ओर जा रहे थे। नगर परिषद के बाहर कलेक्ट्री की तरफ मुड़ रहा ट्रेलर-कंटेनर अचानक नीचे आ गिरा। हमारा वाहन कंटेनर से महज पांच फीट पीछे था। कुछ सेकंड का भी अंतर होता तो बड़ा हादसा हो जाता। इधर, कंटेनर गिरते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। आक्रोशित लोगों ने चालक के साथ हाथापाई कर दी। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चालक बाबू खान को भीड़ से सुरक्षित निकालकर थाने ले गई। सड़क पर कंटेनर गिरने से नगर परिषद के बाहर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। बाद में यातायात पुलिस ने मोर्चा संभाला और क्रेन की मदद से कंटेनर हटवाकर ट्रैफिक सुचारू कराया। इस घटना ने पुलिस, परिवहन विभाग और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शहर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नो-एंट्री के बावजूद भारी वाहनों की बेरोकटोक एंट्री जारी है। ओवरलोड और असुरक्षित तरीके से गुजर रहे वाहन रोज दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं, लेकिन न परिवहन विभाग की सख्त जांच है और न पुलिस की प्रभावी रोक।

तालाब से मिट्टी खनन की शिकायत के बाद भी नहीं हो रही कार्यवाही

» मामला सिहावल जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत कड़ियार का

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के जनपद पंचायत सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत कड़ियार में तालाब से देर रात मिट्टी खनन और परिवहन का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत स्तर पर नियमों को ताक पर रखकर रात 2 बजे जेसीबी मशीनों से तालाब की खुदाई कर मिट्टी का परिवहन कराया जा रहा था। ग्रामीणों ने कहा कि सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि शिकायत के बावजूद 112 इमरजेंसी सेवा मौके पर नहीं पहुंची, जिससे पूरे मामले में संरक्षण और दबाव की चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार देर रात लगभग 5 ट्रैक्टर लगातार तालाब से मिट्टी भरकर ले जाते देखे गए। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब के सौंधीकरण कार्य के लिए लगभग 25 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं, लेकिन मजदूरों की जगह मशीनों से काम कराया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा। मामले को और गंभीर तब माना जा रहा है जब ग्रामीणों ने पंचायत सरपंच पर कथित तौर पर दबंगई भरे बयान देने का आरोप लगाया है, ग्रामीणों के अनुसार सरपंच खुलेआम कहते हैं। यह कथित बयान अब गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि इसी प्रभाव और राजनीतिक संरक्षण के कारण शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने से बचते नजर आते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे लाइव वीडियो में देर रात ट्रैक्टरों की आवाजाही दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। वहीं लोगों का कहना है कि जिले में नए कलेक्टर के आने के बाद भी व्यवस्थाओं में कोई बड़ा सुधार नजर नहीं आ रहा। प्रशासनिक आदेशों का जमीनी स्तर पर पालन नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। अब सभी की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि जांच निष्पक्ष होती है या फिर मामला कागजी अनुमति और औपचारिक जांच तक सीमित रह जाएगा।

ग्रामीणों ने उठाए जिम्मेदारों से सवाल

ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि यदि कार्य पूरी तरह वैध था तो फिर रात के अंधेरे में मिट्टी खनन और परिवहन क्यों किया जा रहा था, मिट्टी कहां भेजी जा रही थी और किसे बेची जा रही थी,इन सवालों का जवाब अभी तक सामने नहीं आ पाया है।

संक्षिप्त समाचार

अब तुर्की की छाती पर भारत का ब्रह्मोस तानेगा साइप्रस

निकोसिया। वैश्विक रक्षा बाजार में भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस की मांग लगातार बढ़ रही है। फिलीपींस, इंडोनेशिया और वियतनाम जैसे देशों के बाद अब यूरोपीय देश साइप्रस ने भी भारत से ब्रह्मोस मिसाइल और स्वदेशी कामिकेज (सुसाइड) ड्रोन खरीदने की इच्छा जताई है। इस संभावित रक्षा सौदे ने भूमध्य सागर में तुर्की की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह रणनीतिक योजना साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स की हालिया भारत यात्रा के दौरान बनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति के बीच हुई बैठक में दोनों देशों ने एक रक्षा सहयोग रोडमैप को मंजूरी दी है। इसके तहत दोनों देशों की सेनाएं ट्रेनिंग, सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन और डिफेंस टेक्नोलॉजी साझा करेंगी। इसके साथ ही साइप्रस ने भारत से ब्रह्मोस मिसाइल, और स्वदेशी सुसाइड ड्रोन नागास्त्र-1 व स्काईस्ट्राइकर खरीदने का प्रस्ताव रखा है। यदि इस रक्षा सौदे पर अंतिम मुहर लगती है, तो यह पहला मौका होगा जब भूमध्य सागर क्षेत्र में किसी भारतीय हथियार प्रणाली की तैनाती होगी। जानकारों के मुताबिक, यह तुर्की के लिए एक बड़ा भू-राजनीतिक झटका है, क्योंकि वह पिछले कई दशकों से उत्तरी साइप्रस पर अवैध कब्जा जमाए हुए है। भूमध्य सागर में ब्रह्मोस जैसी अचूक और मारक मिसाइल की तैनाती से क्षेत्रीय सैन्य संतुलन पूरी तरह बदल सकता है, जिससे तुर्की के सुरक्षा गलियारों में हड़कंप है। तुर्की लगातार वैश्विक मंचों पर भारत के खिलाफ कश्मीर मुद्दे को उठाता रहा है। इतना ही नहीं, बीते वर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्की ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान का खुलकर साथ दिया था और उसे चोरी-छिपे सैकड़ों ड्रोन की आपूर्ति की थी, जिन्हें भारतीय सेना ने मार गिराया था। अब साइप्रस के साथ भारत की यह बड़ी डिफेंस डील तुर्की की उसी भारत-विरोधी नीति और पाकिस्तान के प्रति उसके झुकाव का एक कड़ा रणनीतिक जवाब मानी जा रही है। इस कदम से भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपने विरोधियों को उनके ही क्षेत्र में घेरने की पूरी क्षमता रखता है।

पुतिन का नया हथियार, दुश्मन के रडार को चकमा देने में माहिर

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का एक ऐसा घातक हथियार इन दिनों दुनिया भर के सैन्य विश्लेषकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसे आसमान में ट्रैक करना नामुमकिन माना जा रहा है। यह आधुनिक हथियार पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों की तरह सीधे रास्ते पर नहीं चलता, बल्कि किसी जहरीले सांप की तरह हवा में जिग-जैग यानी लहराते हुए आगे बढ़ता है। इसकी अकल्पनीय रफ्तार और पल-पल अपना रास्ता बदलने की अद्भुत चालाकी के सामने पश्चिमी देशों के सबसे आधुनिक रडार सिस्टम भी पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। यहाँ तक कि अमेरिका का अरबों डॉलर की लागत से बना थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम भी इसके सामने एक लाचार खिलौने जैसा नजर आता है। वैश्विक सैन्य संतुलन को पूरी तरह से बदलने वाले इन आधुनिक हथियारों में रूस के एवनगार्ड हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल का नाम सबसे ऊपर आता है। जब साल 2018 में रूस ने अपने छह सबसे घातक रणनीतिक हथियारों की घोषणा की थी, तब एवनगार्ड को रूसी तकनीकी सर्वोच्चता का प्रतीक

बताया गया था और दिसंबर 2019 में इसे सेना में तैनात किया गया। यह संहारक हथियार परमाणु हमला करने की बेजोड़ क्षमता रखता है। एवनगार्ड को शुरुआत में आरएस-18बी या आधुनिक आरएस-28 सरमत जैसी भारी इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइलों के ऊपर पेलोड के रूप में फिट करके अंतरिक्ष की ओर दागा जाता है। एक निश्चित ऊंचाई पर पहुँचने के बाद यह ग्लाइड व्हीकल मुख्य रॉकेट से अलग हो जाता है और पृथ्वी के वायुमंडल की ऊपरी परतों में प्रवेश करता है। इसके बाद इसकी असली खतरनाक उड़ान शुरू होती है, जहाँ यह भौतिकी के पारंपरिक नियमों को चुनौती देते हुए दुश्मन के सुरक्षा चक्र को अंधा कर देता है। अगर इसकी मारक क्षमता की बात करें तो एवनगार्ड एक बेहद शक्तिशाली इंटर-कॉन्टिनेंटल हथियार है। भारी आईसीबीएम मिसाइलों पर माउंट होने के कारण इसकी प्रभावी रेंज 6,000 किलोमीटर से लेकर 18,000 किलोमीटर से भी अधिक है। इसका मतलब है कि रूस अपने घर में बैठे-बैठे ही अमेरिका या दुनिया के किसी भी कोने में पलक झपकते ही सटीक हमला कर सकता है। विनाशकारी ताकत के मामले में यह 2 मेगाटन तक का परमाणु वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। इसकी भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हिरोशिमा पर गिराया गया परमाणु बम केवल 15 किलोटन का था।

नीट परीक्षार्थी 21 जून को बसों में मुफ्त में कर सकेंगे यात्रा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 21 जून को परीक्षा के दिन सभी परीक्षार्थी डीटीसी की बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगे और अपने-अपने सेंटर पहुंच सकेंगे। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए परीक्षार्थियों को केवल अपना वैध नीट एडमिट कार्ड बस कंडक्टर को दिखाना होगा। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि हाल ही में नीट परीक्षा के रद्द होने के कारण अनेक परीक्षार्थियों को दोबारा नीट परीक्षा देनी पड़ रही है। ऐसे में परीक्षार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त मानसिक, समयगत और आर्थिक दबाव पड़ना स्वाभाविक है। दिल्ली सरकार परीक्षार्थियों की इन चुनौतियों को समझते हुए उनके साथ खड़ी है। सरकार का प्रयास है कि परीक्षा के दिन परीक्षार्थियों को परिवहन संबंधी किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसी उद्देश्य से 21 जून को सभी नीट परीक्षार्थियों के लिए डीटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ताकि वे बिना किसी अतिरिक्त तनाव के समय पर अपने एग्जाम सेंटर पहुंच सकें और पूरी एकाग्रता एवं आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवाओं का समय, परिश्रम और भविष्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि परीक्षार्थियों को उनकी शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान हरसंभव सहयोग और सुविधा उपलब्ध कराई जाए। नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाएं परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य से जुड़ी होती हैं। ऐसे समय में सरकार का दायित्व है कि परीक्षा के दिन परीक्षार्थियों को यथासंभव सहयोग और सुविधा प्रदान की जाए ताकि वे किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी या तनाव का सामना न करें। मुख्यमंत्री ने सभी नीट अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह परीक्षा उनके परिश्रम, समर्पण और सपनों को नई दिशा देने का अवसर है। उन्होंने परीक्षार्थियों से आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने का आग्रह किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नीट पेपर लीकः सीबीआई निदेशक व अन्य अधिकारी संसदीय समिति के समक्ष पेश हुए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी)-2026 पेपर लीक मामले में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद शुक्रवार को संसद की सरकारी आश्वासन समिति के समक्ष पेश हुए। परीक्षा में कथित अनियमितताओं और जांच की प्रगति की समीक्षा के लिए इन अधिकारियों ने संसदीय समिति को जानकारी दी। राज्यसभा सदस्य एम. थंबीदुरई की अध्यक्षता वाली इस संसदीय समिति में अध्यक्ष सहित कुल 11 सदस्य हैं। बैठक की अध्यक्षता थंबीदुरई ने की। बैठक में शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव भी मौजूद रहे। समिति ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच और अब तक की कार्रवाई पर विस्तृत जानकारी मांगी। बैठक में सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद के साथ एजेंसी के विशेष निदेशक, अतिरिक्त निदेशक और संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी भी शामिल हुए। अधिकारियों ने समिति को कथित पेपर लीक की जांच, गिरफ्तारियों और विभिन्न राज्यों में चल रही कार्रवाई की जानकारी दी। एनटीए महानिदेशक अभिषेक सिंह ने परीक्षा संचालन, सुरक्षा व्यवस्था और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर समिति को अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में राजनीतिक और शैक्षणिक हलकों में लगातार सवाल उठ रहे हैं। मामले की जांच फिलहाल सीबीआई कर रही है। सीबीआई इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

एजेंसी, बलरामपुर

♦ डोंगरगढ़ से संचालित हो रहा था पूरा नेटवर्क

छत्तीसगढ़ का फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनवाकर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में भर्ती कराने वाले गिरोह का बलरामपुर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस मामले में मुख्य आरोपित समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बलरामपुर पुलिस ने आज शुक्रवार को अपने बयान में बताया कि मामले की जानकारी 28 अप्रैल 2026 को हुई, जब तहसीलदार बलरामपुर ने थाना कोतवाली बलरामपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत में बताया गया कि 204 कोबरा बटालियन सीआरपीएफ करनपुर जगदलपुर में पदस्थ कांस्टेबल सुमित अचल सिंह ने विशाल सोनी के शैक्षणिक एवं अन्य दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर अपने नाम से स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र बनवाया था। यह आवेदन ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से तहसील कार्यालय बलरामपुर में प्रस्तुत किया गया था।

शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने थाना बलरामपुर में अपराध क्रमांक 78/2026 दर्ज कर बीएनएस की विभिन्न धाराओं तथा आईटी एक्ट के तहत मामला कायम किया। विवेचना के दौरान 14 मई 2026 को राजस्थान के धौलपुर जिले के ग्राम रुंध निवासी सुमित अचल सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपित ने छत्तीसगढ़ राज्य के आरक्षण कोटे का अवैध लाभ लेकर वर्ष 2023 में एसएससी के माध्यम से सीआरपीएफ में भर्ती हासिल की थी। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को इस फर्जीवाड़े के बड़े नेटवर्क का पता चला। मामले में मुख्य आरोपित मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के ग्राम खांद का पुरा निवासी विवेक सिंह तोमर और सह-आरोपित आकाश सिंह शर्मा को 22 मई 2026 को रायपुर से हिरासत में लेकर बलरामपुर लाया गया। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर दोनों को 23 मई को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि विवेक सिंह तोमर ने स्वयं भी फर्जी दस्तावेजों के जरिए डोंगरगढ़ से छत्तीसगढ़ का निवास प्रमाण पत्र बनवाया था। वहीं आकाश शर्मा ने अपना नाम बदलकर तुकेश्वर पिता भोजराम निवासी बलरामपुर दर्शाते हुए फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड तैयार करवाया। साथ ही दीपक चौरसिया के शैक्षणिक दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर निवासी प्रमाण पत्र हासिल किया गया।

मामले की जांच में राजनांदगांव जिले के बाघनदी थाना क्षेत्र स्थित सीतागोटा निवासी ओमप्रकाश चंद्रवंशी को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि विवेक सिंह तोमर अलग-अलग राज्यों के लोगों के नाम से छत्तीसगढ़ का निवास प्रमाण पत्र बनवाने का काम देता था। इसके एवज में प्रति व्यक्ति 4 से 5 हजार रुपये लेकर ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर फर्जी सिटीजन आईडी बनाई जाती थी।

मुख्यमंत्री शुभेंदु का बड़ा ऐलान- एक अगस्त से राज्य में शुरू होगी जनगणना

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में आगामी एक अगस्त से जनगणना का कार्य शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय नवान्न में आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि जनगणना की प्रक्रिया अगस्त 2026 से शुरू होकर फरवरी 2027 तक चलेगी।

मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी नागरिकों से जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि यह प्रक्रिया देश और राज्य दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकीय स्थिति विशेष महत्व रखती है, क्योंकि राज्य की लगभग 600 किलोमीटर लंबी सीमा बांग्लादेश से लगती है।

उन्होंने दावा किया कि सीमा के कुछ हिस्सों में अब तक फेंसिंग नहीं होने और पूर्ववर्ती सरकार द्वारा सीमा सुरक्षा बल को जमीन उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण राज्य की जनसांख्यिकी में बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि पहली बार डिजिटल माध्यम से जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों में यह प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है, जबकि पश्चिम बंगाल में यह कार्य अपेक्षाकृत देर से आरंभ हो रहा है। बावजूद इसके, राज्य सरकार तय समय सीमा के भीतर जनगणना पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि सभी नागरिक सही और सटीक जानकारी देकर प्रशासन का सहयोग करें, ताकि जनगणना प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने जनगणना प्रक्रिया में हुई देरी के लिए पूर्ववर्ती सरकार और पूर्व मुख्य सचिव को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि यह कोई कैबिनेट का विषय नहीं था, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर लिया जाने वाला निर्णय था। मुख्यमंत्री के अनुसार, पूर्व मुख्य सचिव राजनीतिक सहमति का इंतजार करते रहे, जिसके कारण जनगणना कार्य समय पर शुरू नहीं हो पाया।

भीषण गर्मी में स्वच्छता कर्मियों के समर्थन को आगे आएं नागरिक : सीआर पाटिल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने भीषण गर्मी और लू के बीच स्वच्छता कर्मियों के समर्थन में जनभागीदारी का आह्वान करते हुए नागरिकों से उनके प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और सहयोग का भाव रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि "पानी, छांव और सम्मान" जैसी छोटी-छोटी पहल भी स्वच्छता कर्मियों के लिए बड़ा सहारा बन सकती हैं।

केंद्रीय मंत्री पाटिल ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी के बावजूद स्वच्छता कर्मी गांवों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। तेज धूप और कठिन परिस्थितियों में भी उनका समर्पण और सेवा भावना प्रेरणादायक है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी देशवासियों से अपील की है कि इन कठिन दिनों में पूरी संवेदनशीलता और करुणा के साथ एक-दूसरे का ध्यान रखें। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि यदि आसपास कोई स्वच्छता कर्मी कार्य कर रहा हो तो उन्हें पीने का पानी उपलब्ध कराएं, कुछ समय छांव में विश्राम के लिए प्रेरित करें और उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करें।

पाटिल ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार या किसी एक कर्मी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा : अमित शाह

एजेंसी, भुज

♦ बीएसएफ के 60वें वर्ष पर अमित शाह का विजन, बनेगा 'चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड'

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में कहा कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है और अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों की बुरी नजर से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, मजबूत सुरक्षा ढांचे और बीएसएफ जवानों के पराक्रम के बल पर भारत की सीमाओं को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है।

कच्छ के भुज क्षेत्र में आज सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि सरक्रीक और भुज क्षेत्र में बीएसएफ के जवान चट्टान की तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं। उनके साहस, समर्पण और सतर्कता के कारण इस क्षेत्र के लोग सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जवानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने सीमा सुरक्षा के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहने दी है। आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे सीमा सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में वॉच टावरों का निर्माण किया गया है और कई बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) को ग्राउंड लेवल से ऊपर उठाकर अधिक सुरक्षित बनाया गया है। इन प्रयासों से जवानों की कार्यक्षमता बढ़ी है और निगरानी व्यवस्था अधिक प्रभावी हुई है।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ अपनी स्थापना के 60वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा की अवधारणा को नए सिरे से विकसित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में "चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड" तैयार किया जाएगा और केवल सीमा सुरक्षा की जगह "टेरिटोरियल सिक्योरिटी" यानी क्षेत्रीय सुरक्षा का नया मॉडल लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था में बीएसएफ के साथ-साथ स्थानीय नागरिक, सिविल प्रशासन, स्थानीय पुलिस और सेना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे सुरक्षा व्यवस्था अधिक मजबूत और व्यापक बनेगी। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा को जनभागीदारी से जोड़ने का यह प्रयास देश की सुरक्षा को नई दिशा देगा। स्मार्ट बॉर्डर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार हजारों करोड़ रुपये खर्च कर सीमा सुरक्षा को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बना रही है।

मप्र ने गेहूं उपार्जन में बनाया नया रिकॉर्ड, किसानों से अब तक 1.4 करोड़ मीट्रिक टन हुई गेहूं खरीदी

एजेंसी, भोपाल

♦ 24 हजार करोड़ रुपये का किसानों को किया जा चुका है भुगतान

मध्य प्रदेश में इस वर्ष गेहूं उपार्जन में सभी लक्ष्य हासिल करते हुए नया रिकॉर्ड बना है। प्रदेश में किसानों से अब तक रिकॉर्ड 1.4 करोड़ मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। राज्य सरकार ने गेहूं उत्पादक किसानों को 2585 रुपये न्यूनतम समर्थन मूल्य और प्रति क्विंटल 40 रुपए बोनस का लाभ दिया है। किसानों को 2625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं का भुगतान किया। अब तक किसानों को गेहूं उपार्जन की 24 हजार करोड़ राशि दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को उज्जैन में वीडियो संदेश के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गेहूं खरीदने के लिए किसानों की संख्या के मामले में मध्य प्रदेश देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। प्रदेश में इस वर्ष गेहूं की पैदावार बढ़ी है। देश में सर्वाधिक गेहूं उत्पादन वाले राज्यों में पंजाब के बाद मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है। मध्यप्रदेश सर्वाधिक लंबे समय तक गेहूं खरीद की व्यवस्था लागू करने वाला एकमात्र राज्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छोटे और मध्यम श्रेणी के किसानों से पहले गेहूं खरीदा गया। यह व्यवस्था प्रदेश में पहली बार लागू की गई। छोटे किसानों से अब तक लगभग 32.72 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है। इसके बाद बड़े किसानों को अपनी उपज बेचने का अवसर मिला। अब तक लगभग पौने 14 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कर लिया गया है। सरकारी खरीद के लिए पंजीयन कराने वाले सभी किसान भाई-बहनों का गेहूं गोदाम तक पहुंच चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति और विश्व में उत्पन्न विषम परिस्थितियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा है। इस कठिन दौर में भी रिकॉर्ड गेहूं खरीदी की गई है। राज्य सरकार किसानों के लिए अनेक जन हितैषी निर्णय ले रही है। अन्नदाता भाई-बहनों की बेहतरी के लिए राज्य सरकार ने यह पूरा वर्ष कृषक कल्याण को समर्पित किया है। प्रदेश का हर किसान समृद्ध और खुशहाल हो, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, फसल उत्पादन और फूड प्रोसेसिंग से किसानों की आय में वृद्धि हो, यह हमारी प्रतिबद्धता है।

मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर वसूली करने के मामले में चार लोग निलंबित

एजेंसी, तिरुचेंदूर

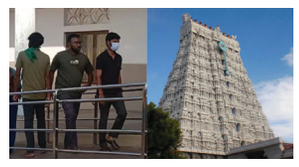

तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में स्थित प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री एस. रमेश से पैसे लेने के आरोप में एक पुजारी समेत चार लोगों को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही संबंधित पुजारी को अगले आदेश तक मंदिर सेवा से प्रतिबंधित कर दिया गया है। दरअसल, मंदिर में वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। आरोप था कि कुछ पुजारी, सुरक्षाकर्मी और कर्मचारी श्रद्धालुओं से मोटी रकम लेकर उन्हें विशेष मार्ग से शीघ्र दर्शन करा रहे थे। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री एस. रमेश ने स्वयं जांच करने का निर्णय लिया। मंत्री रमेश शुक्रवार सुबह आम श्रद्धालु की तरह मंदिर पहुंचे और 100 रुपये शुल्क वाली सामान्य दर्शन कतार में खड़े हो गए। इसी दौरान उन्होंने वहां मौजूद पुजारी अय्यप्पन से जल्दी दर्शन कराने की बात कही। आरोप है कि पुजारी ने वीआईपी दर्शन के लिए 4,000 रुपये की मांग की और कहा कि पैसे देने पर उन्हें विशेष प्रवेश मार्ग से भगवान मुरुगन के दर्शन कराए जाएंगे। जांच के तहत मंत्री रमेश ने गूगल-पे (जीपे) के माध्यम से 4,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। भुगतान मिलते ही पुजारी को पता चला कि जिनसे उसने पैसे लिए हैं, वे स्वयं विभागीय मंत्री हैं।

राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक 10 जून को, मोदी का होगा अभिनंदन

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार के 12 साल पूरे होने पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक 10 जून को आयोजित की गयी है। अशोका होटल में आयोजित होने वाली इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन किया जाएगा। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और उनके कार्यकाल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विशेष प्रस्ताव भी पारित किया जाएगा। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य मोदी सरकार की 12 साल की सफलताओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक देशव्यापी अभियान की रूपरेखा तैयार करना है। बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा सहित सरकार के कई मंत्री मौजूद रहेंगे। बैठक में मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, सुशासन, संगठनात्मक समन्वय और आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर चर्चा होगी। इसके साथ केंद्र की योजनाओं की समीक्षा, केंद्र-राज्य समन्वय को बेहतर बनाने पर भी चर्चा होगी।उल्लेखनीय है कि मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में 12 वर्ष पूरे कर लिए। 2019 में दूसरी बार और 2024 में वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बने।

आंतरिक शांति ही बाहरी सौहार्द का आधारः उपराष्ट्रपति

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शुक्रवार को आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन का 45वां स्थापना दिवस समारोह भव्य और आध्यात्मिक वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालु, स्वयंसेवक, आध्यात्मिक साधक और अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि "आंतरिक शांति ही बाहरी सौहार्द का वास्तविक आधार है।" उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया तनाव, संघर्ष और मानसिक अस्थिरता जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में आध्यात्मिक मूल्यों, मानवीय संवेदनाओं और आत्मिक संतुलन का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि समाज में स्थायी शांति और भाईचारे की स्थापना तभी संभव है, जब व्यक्ति भीतर से शांत, संतुलित और सकारात्मक हो।

उपराष्ट्रपति ने आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र "वसुधैव कुटुंबकम्" को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने की भारतीय सोच आज वैश्विक परिस्थितियों में अत्यंत प्रासंगिक हो गई है और आर्ट ऑफ लिविंग इस संदेश को प्रभावी रूप से विश्वभर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिकता और भारतीय प्राचीन परंपराएं एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। आर्ट ऑफ लिविंग योग, ध्यान, प्राणायाम और मानवीय मूल्यों के माध्यम से आधुनिक जीवनशैली और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं के बीच संतुलन स्थापित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही है।

समारोह में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, देश-विदेश के कई विशिष्ट अतिथि, संस्था के वरिष्ठ सदस्य तथा बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आध्यात्मिकता, विश्व शांति, मानसिक स्वास्थ्य, युवा जागरूकता और समाज सेवा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग संस्था विश्व के अनेक देशों में योग, ध्यान, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। संस्था के विभिन्न अभियान तनावमुक्त जीवन, सामाजिक समरसता, मानवता और विश्व शांति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने आर्ट ऑफ लिविंग के 45वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विशेष स्मारक डाक टिकट का विमोचन भी किया।

सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक डेडलाइन-तारीख पर तारीख नहीं चलेगी- जस्टिस डिलेयड इज जस्टिस डिनाइड क़े सिद्धांत में निर्णय छिपाना भी अन्यायः संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन- भारतीय न्याय व्यवस्था में जवाबदेही का नया युग

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» सुप्रीम कोर्ट के निर्देश केवल प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भारतीय न्यायपालिका में जवाबदेही, पारदर्शिता और समयबद्ध न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक न्यायिक क्रांति माना जा रहा है

» सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय तारीख पर तारीख की संस्कृति के खिलाफ सशक्त संवैधानिक घोषणा- यह फैसला करोड़ों नागरिकों के लिए उम्मीद का संदेश है जो वर्षों से अदालतों के चक्कर काटते हुए समय पर न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत की न्यायिक व्यवस्था पर वर्षों से एक तंज बार-बार दोहराया जाता रहा है,तारीख पर तारीख। यह वाक्य केवल एक फिल्मी संवाद नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की उस पीड़ा का प्रतीक बन गया था जिसमें न्याय की उम्मीद अदालतों की लंबी प्रक्रियाओं में उलझकर दम तोड़ देती है।भारतीयलोकतंत्र में न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक माना जाता है। नागरिक जब कार्यपालिका और विधायिका से निराश होता है, तब उसकी अंतिम उम्मीद अदालतों पर टिकती है। यही कारण है कि न्यायपालिका की विश्वसनीयता केवल उसके निर्णयों से नहीं, बल्कि उसकी पारदर्शिता, समयबद्धता और उत्तरदायित्व से भी तय होती है। हाल के वर्षों में भारतीय न्याय व्यवस्था में लंबित मामलों की संख्या, सुरक्षित रखे गए निर्णयों में देरी और अदालतों द्वारा आदेशों को समय पर वेबसाइट पर अपलोड न करने जैसी समस्याएँ लगातार चर्चा का विषय बनी हुई थीं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि अब इसी मानसिकता और न्यायिक देरी की संस्कृति पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णायक प्रहार किया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अत्यंत गंभीर शब्दों में कहा कि जस्टिस डिलेयड इज जस्टिस डिनाइड का सिद्धांत केवल मुकदमों की सुनवाई में देरी तक सीमित नहीं है। यदि अदालत निर्णय सुरक्षित रखकर महीनों तक उसे सार्वजनिक नहीं करती, या आदेश सुनाए जाने के बाद भी उसकी प्रति उपलब्ध नहीं कराई जाती, तो यह भी न्याय में देरी के समान है।सुप्रीम कोर्ट ने क्रिमिनल रिट पिटीशन 169/2025 में 29 मई 2026 को स्पष्ट शब्दों में कहा है कि किसी भी मामले में फैसला सुरक्षित रखने के बाद उसे अधिकतम तीन महीने के भीतर सुनाना अनिवार्य होगा।यदि ऐसा नहीं होता है, तो संबंधित हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को वह मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखना होगा। यह निर्देश केवल प्रशासनिक आदेश नहीं,बल्कि भारतीय न्यायपालिका में जवाबदेही, पारदर्शिता और समयबद्ध न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक सटीक रूप से न्यायिक क्रांति माना जा रहा है। साथियों, यह फैसला उस समय आया जब सुप्रीम कोर्ट पीला पाहन बनाम झारखंड राज्य मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें आरोप लगाया गया कि झारखंड हाईकोर्ट ने दिसंबर 2025 में फैसला सुनाने के बावजूद उसे न तो वेबसाइट पर अपलोड किया और न ही संबंधित पक्षों को उपलब्ध कराया।इस मामले ने न्यायिक देरी और प्रक्रियात्मक अपारदर्शिता की गंभीर समस्या को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया।यह मामला केवल एक तकनीकी त्रुटि या प्रशासनिक लापरवाही का प्रश्न नहीं था, बल्कि न्याय के मूल सिद्धांतों से जुड़ा संवैधानिक प्रश्न बन चुका था। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को अदालत द्वारा राहत मिल चुकी है, लेकिन आदेश उपलब्ध ही नहीं कराया गया, तो वह राहत व्यवहारिक रूप से निरर्थक हो जाती है। विशेष रूप से तब जब मामला व्यक्तिगत स्वतंत्रता, जमानत या आपराधिक सजा से जुड़ा हो। यही कारण था कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मुद्दे को अत्यंत गंभीरता से लिया और न्यायपालिका के भीतर मौजूद उस संरचनात्मक समस्या पर चोट की, जिसके कारण हजारों मामलों में फैसले महीनों और वर्षों तक सुरक्षित रखे जाते रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश और एक जस्टिस की पीठ ने स्पष्ट किया कि न्याय में अनावश्यक देरी संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। अनुच्छेद 21 केवल जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा नहीं करता, बल्कि समय पर न्याय प्राप्त करने के अधिकार को भी संरक्षित करता है। अदालत ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति वर्षों तक जेल में बंद रहे और उसकी अपील पर फैसला सुरक्षित रखने के बाद लंबे समय तक सुनाया ही न जाए, तो यह न्यायिक प्रक्रिया स्वयं दंड में बदल जाती है। अदालत का यह अवलोकन भारतीय न्याय व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पहली बार सर्वोच्च स्तर पर इस स्पष्टता के साथ कहा गया कि न्यायिक देरी केवल प्रशासनिक समस्या नहीं बल्कि मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का विषय है। साथियों, सुप्रीम कोर्ट के सामने आया मामला अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से जुड़े चार दोषियों की याचिका से संबंधित था। इन लोगों की आपराधिक अपील झारखंड हाईकोर्ट में वर्ष 2022 से लंबित थी, लेकिन फैसला नहीं सुनाया गया था।

याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि चार वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा करवाना संविधान की भावना के खिलाफ है। अदालत ने इस तर्क को गंभीरता से स्वीकार किया और कहा कि न्यायिक प्रक्रिया का उद्देश्य व्यक्ति को राहत देना है, न कि उसे अंतहीन प्रतीक्षा में डाल देना। इसी संदर्भ में नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी हाईकोर्ट्स से रिपोर्ट भी मांगी थी, जिसमें यह जानकारी देने को कहा गया था कि किन मामलों में फैसला कब सुरक्षित रखा गया, कब सुनाया गया और वेबसाइट पर कब अपलोड किया गया। साथियों इस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कुल 12 व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए,जिनका उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। अदालत ने विशेष रूप से जमानत मामलों को लेकर कड़ा रुख अपनाया। पीठ ने कहा कि नियमित जमानत और अग्रिम जमानत जैसे मामलों में आदेश उसी दिन सुनाया और अपलोड किया जाना चाहिए। यदि किसी कारणवश आदेश सुरक्षित रखा जाता है, तो उसे अगले दिन तक अवश्य जारी करना होगा। अदालत ने यह भी कहा कि जमानत आदेश की सूचना तत्काल जेल प्रशासन तक पहुंचाई जाए ताकि आरोपी या दोषी व्यक्ति को उसी दिन अथवा अगले दिन रिहा किया जा सके, बशर्ते वह किसी अन्य मामले में वांछित न हो। यह निर्देश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत में अनेक मामलों में जमानत मिलने के बावजूद कैदी कई दिनों तक जेल में बंद रहते हैं, केवल इसलिए कि आदेश की प्रति समय पर जेल तक नहीं पहुंचती।सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामलों और विशेषकर मृत्युदंड से जुड़े मामलों के लिए भी अलग दिशा-निर्देश तय किए। अदालत ने कहा कि यदि मामला गंभीर आपराधिक प्रकृति का है और आरोपी जेल में है, तो फैसला सुरक्षित रखने के सात दिनों के भीतर दोनों पक्षों से स्पष्टीकरण मांगा जा सकता है। लेकिन अन्य मामलों में एक महीने के बाद अतिरिक्त दलीलें या स्पष्टीकरण मांगने की अनुमति नहीं होगी। यह व्यवस्था इसलिए बनाई गई ताकि न्यायिक प्रक्रिया अनिश्चितकाल तक लंबित न रहे और फैसले देने में सटीकता से कृत्रिम देरी समाप्त हो। साथियों अदालत ने तकनीकी और प्रशासनिक सुधारों पर भी जोर दिया। अब हर महीने हाईकोर्ट की वेबसाइट से स्वतः ई-मेल मुख्य न्यायाधीश को भेजा जाएगा, जिसमें उन मामलों की सूची होगी जिनमें फैसला सुरक्षित रखा गया है। इसकी प्रति संबंधित बेंच को भी भेजी जाएगी। यदि किसी मामले का केवल ऑपरेटिव भाग सुनाया गया हो और 15 दिनों तक विस्तृत फैसला अपलोड न किया जाए, तो रजिस्ट्रार जनरल को मुख्य न्यायाधीश को इसकी सूचना देनी होगी।इसके अतिरिक्त, यदि तीन महीने बीत जाने के बाद भी फैसला नहीं सुनाया जाता है, तो कोई भी पक्षकार अदालत से आदेश सुनाने का अनुरोध कर सकेगा और ऐसे आवेदन पर दो दिनों के भीतर सुनवाई करनी होगी।सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रकार का प्लान-बी भी निर्धारित किया है। यदि फैसला तीन महीने और अतिरिक्त एक महीने यानी कुल चार महीने तक भी नहीं आता है, तो पक्षकार संबंधितहाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध कर सकता है कि मामला दूसरी बेंच को स्थानांतरित किया जाए। यह निर्देश न्यायिक इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट संकेत दिया है कि अनिश्चितकाल तक फैसला सुरक्षित रखना स्वीकार्य नहीं होगा। इससे न्यायाधीशों की जवाबदेही भी तय होगी और मामलों के लंबित रहने की समस्या पर सटिका से अंकुश लग सकेगा। साथियों अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि फैसले की प्रमाणित प्रति में तीन तिथियां स्पष्ट रूप से लिखी जाएं फैसला सुरक्षित रखने की तारीख, फैसला सुनाने की तारीख और वेबसाइट पर अपलोड करने की तारीख। हाईकोर्ट की वेबसाइट पर भी यह जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहेगी। इससे न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और वकीलों तथा पक्षकारों को अपने मामलों की वास्तविक स्थिति का पता चलता रहेगा। साथ ही, फैसला अपलोड होते ही संबंधित पक्षों और उनके वकीलों को ई-मेल के माध्यम से सूचना भेजना भी अनिवार्य किया गया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी ने पूरे मामले को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट जज के रूप में अपने 15 वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने कभी भी किसी मामले को लंबे समय तक रिजर्व नहीं रखा और हमेशा तीन महीने के भीतर फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि न्याय की कीमत पर देरी को जारी रहने नहीं दिया जा सकता। यह टिप्पणी केवल व्यक्तिगत अनुभव नहीं, बल्कि न्यायिक कार्यसंस्कृति के लिए एक नैतिक संदेश भी है कि न्यायाधीशों की प्राथमिक जिम्मेदारी समय पर निर्णय देना है। साथियों, इस पूरे फैसले का संवैधानिक आधार भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान केअनुच्छेद 142 के अंतर्गत प्राप्त विशेष शक्तियों का उपयोग करते हुए ये दिशा-निर्देश जारी किए। अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय को पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष आदेश पारित करने की शक्ति देता है। जब सामान्य कानून या प्रक्रियाएं न्याय दिलाने में अपर्याप्त साबित हों, तब सुप्रीम कोर्ट इस अनुच्छेद के तहत व्यापक निर्देश जारी कर सकता है। यही कारण है कि यह फैसला केवल एक केस तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे देश की न्यायिक प्रणाली के लिए बाध्यकारी मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में देखा जा रहा है।भारत में लंबित मामलों की भयावह स्थिति को देखते हुए यह फैसला और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में 92 हजार से अधिक मामले लंबित हैं, जबकि देशभर की अदालतों में 5.49 करोड़ से ज्यादा मामले पेंडिंग हैं। हाईकोर्ट्स में ही 63 लाख से अधिक मामले लंबित बताए गए हैं। कोविड-19 महामारी के बाद ई-फाइलिंग बढ़ने से मामलों की संख्या और तेजी से बढ़ी है। ऐसे में केवल नए जजों की नियुक्ति या अदालतों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि न्यायिक कार्यप्रणाली को अधिक कुशल और समयबद्ध बनाना भी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के ये निर्देश इसी व्यापक सुधार प्रक्रिया की शुरुआत माने जा रहे हैं। साथियों न्यायिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला भारतीय न्यायपालिका में प्रोसीजरल अकाउंटेबिलिटी का नया मॉडल स्थापित कर सकता है। अब न्यायालयों पर केवल निर्णय देने का नहीं, बल्कि समय पर निर्णय देने का भी दबाव होगा। इससे आम नागरिकों का न्यायपालिका पर भरोसा मजबूत होगा, क्योंकि न्याय की वास्तविक शक्ति तभी सिद्ध होती है जब वह समय पर उपलब्ध हो। विशेष रूप से गरीब, आदिवासी, पिछड़े और जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों के लिए यह फैसला अत्यंत सटीकता से राहतकारी साबित हो सकता है। साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी न्यायिक पारदर्शिता और समयबद्ध फैसलों को लोकतांत्रिक शासन का महत्वपूर्ण मानक माना जाता है। विकसित देशों की न्याय प्रणालियों में मामलों की निगरानी, समयसीमा और डिजिटल पारदर्शिता पर विशेष बल दिया जाता है। भारत का सर्वोच्च न्यायालय अब उसी दिशा में निर्णायक कदम बढ़ाता दिखाई दे रहा है। यह फैसला संकेत देता है कि भारतीय न्यायपालिका केवल मामलों की संख्या बढ़ने की शिकायत तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि स्वयं को अधिक उत्तरदायी और आधुनिक बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि,सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय केवल अदालतों के लिए प्रशासनिक निर्देश नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में न्याय की अवधारणा को पुनर्परिभाषित करने वाला ऐतिहासिक हस्तक्षेप है। तारीख पर तारीख की संस्कृति के खिलाफ यह एक सशक्त संवैधानिक घोषणा है कि न्याय को अनिश्चित प्रतीक्षा में नहीं बदला जा सकता। यदि इन दिशा-निर्देशों का ईमानदारी से पालन होता है, तो आने वाले वर्षों में भारतीय न्यायपालिका की कार्यप्रणाली में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है। यह फैसला उन करोड़ों नागरिकों के लिए उम्मीद का संदेश है जो वर्षों से अदालतों के चक्कर काटते हुए समय पर न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

सुखद है 200 वर्षों का हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास

लेखक- योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रेस ने लगभग प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है, फिर चाहे भारत-पाक युद्ध हो या भारत-चीन लड़ाई अथवा अन्य कोई चुनौतीपूर्ण अवसर। यह कहना भी असंगत नहीं होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। हिन्दी भाषी समाचारपत्र हों अथवा पत्रिकाएं, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सदैव विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को कदापि नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं। बहरहाल, घर बैठे-बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता भी यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता।

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है पत्रकारिता

लेखक- संजय गोस्वामी

पत्रकारिता समाचारों, विचारों और घटनाओं को एकत्र करके उन्हें जनता तक पहुँचाने का माध्यम है, यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जिसका उद्देश्य समाज को जागरूक, निष्पक्ष और सूचित रखना है इंसानी इतिहास में, पत्रकारिता ने अपनी अहम जगह और ऊँचे आदर्शों पर पक्के भरोसे के ज़रिए हमेशा अपनी अलग पहचान बनाई है। भारत में, पत्रकारिता का इतिहास लगभग दो सौ साल पुराना है। आज, पत्रकारिता शब्द हमारे लिए कोई नया कॉन्सेप्ट नहीं है। सुबह होते ही हमें अखबार की ज़रूरत महसूस होती है; इसके बाद, पूरे दिन हमें रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट और सोशल मीडिया जैसे अलग-अलग तरीकों से खबरें मिलती रहती हैं। इसके अलावा, रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया सुबह से शाम तक हमारे साथ रहते हैं। इस लगातार जुड़ाव के पीछे एक खास इच्छा है—एक जिज्ञासा—नई और ताज़ा जानकारी पाने की। लोग पिछले कुछ घंटों में या पिछली रात से हुए बदलावों या सामने आई नई घटनाओं के बारे में जानकारी रखना चाहते हैं। इस बात का निचोड़ यह है कि हम अपने दोस्तों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और साथ काम करने वालों से अपने आस-पास हो रही घटनाओं के बारे में लगातार जानना चाहते हैं। अपने आस-पास की चीज़ों, घटनाओं और लोगों के बारे में अप-टू-डेट जानकारी पाना इंसान की एक जन्मजात आदत है; जिज्ञासा की भावना हमारे अंदर एक बहुत बड़ी ताकत है। यही जिज्ञासा न्यूज़ का बुनियादी हिस्सा है—और, बड़े पैमाने पर कहें तो, खुद पत्रकारिता का भी। अगर यह जिज्ञासा खत्म हो जाए, तो न्यूज़ की ज़रूरत भी खत्म हो जाएगी। पत्रकारिता इसी अंदरूनी जिज्ञासा को पूरा करने की कोशिश के तौर पर शुरू हुआ—यह एक ऐसा मिशन है जिसे यह आज भी पूरा कर रहा है, और अपने बुनियादी उसूलों पर मज़बूती से टिका हुआ है। इस जिज्ञासा के ज़रिए, हमें अपने आस-पड़ोस, शहर, राज्य और पूरी दुनिया के बारे में बहुत सारी जानकारी मिलती है। यह जानकारी न सिर्फ़ हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर बल्कि पूरे समाज पर असर डालती है। इसके अलावा, यह जानकारी हमारे अगले कदम को तय करने में हमारी मदद करने में भी अहम भूमिका निभाती है। यही वजह है कि आज के समाज में इन्फॉर्मेशन और कम्युनिकेशन मीडिया का महत्व तेज़ी से बढ़ा है। आज, हम देश और दुनिया भर में हो रही घटनाओं के बारे में ज़्यादातर जानकारी अलग-अलग न्यूज़ मीडिया आउटलेट से लेते हैं। इन अलग-अलग चैनलों के ज़रिए—चाहे वह अखबार हों, टेलीविज़न, रेडियो, इंटरनेट, या सोशल मीडिया—दुनिया भर की खबरें सीधे हमारे घरों तक पहुँचती हैं। न्यूज़ ऑर्गनाइज़ेशन में काम करने वाले जर्नलिस्ट लोकल और ग्लोबल लेवल पर होने वाली घटनाओं को न्यूज़ रिपोर्ट में बदलते हैं और हम तक पहुँचाते हैं। ऐसा करने के लिए, वे रोज़ाना जानकारी इकट्ठा करते हैं, उसे न्यूज़ फ़ॉर्मेट में ढालते हैं और लोगों के सामने पेश करते हैं। इस पूरे प्रोसेस को पत्रकारिता कहते हैं। कोई भी जानकारी जो किसी व्यक्ति, समाज, देश या पूरी दुनिया पर असर डालती है, वह न्यूज़ होती है। दूसरे शब्दों में, किसी खास घटना पर रिपोर्ट, डेफिनिशन के हिसाब से, न्यूज़ है। या, जैसा कि अक्सर कहा जाता है, न्यूज़ जल्दबाज़ी में लिखा गया इतिहास है। हिंदी शब्द पत्रकारिता इंग्लिश शब्द पत्रकारिता का सीधा ट्रांसलेशन है। मतलब के नज़रिए से, पत्रकारिता शब्द जर्नल से बना है, जिसका मतलब है रोज़ का रिकॉर्ड, डायरी, या डेबुक—असल में, रोज़ाना की एक्टिविटीज़ का डिटेल्ड अकाउंट वाला डॉक्यूमेंट। सिर्फ़ एंटरटेनमेंट के अलावा, ये मीडिया हमें बहुत सारी जानकारी से जान-पहचान कराते हैं। इसके अलावा, एडवरटाइज़िंग ने हमें कंज्यूमर कल्चर में अच्छे से जोड़ दिया है। कुल मिलाकर, पत्रकारिता के अलग-अलग मीडियम—जैसे अखबार, मैगज़ीन, रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट और सोशल मीडिया—ने लोगों से लेकर ग्रुप तक और देशों से लेकर पूरी दुनिया तक, सबको एक साथ जोड़ दिया है। इसलिए, आज पत्रकारिता में नेशनल लेवल पर आइडिया, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिक्स और यहाँ तक कि कल्चर को भी प्रभावित करने की काबिलियत है। अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी के बारे में सोचने के लिए थोड़ा समय निकालें। जब वे बातचीत करते हैं, तो आमतौर पर उनका पहला सवाल क्या होता है? उनका पहला सवाल हमेशा यही होता हैः हालात कैसे हैं? या आप कैसे हैं? या क्या खबर है? हालाँकि ऐसे आम, रोज़मर्रा के सवालों में कुछ खास खास नहीं लग सकता है, लेकिन एक पल सोचने पर एक गहरा मतलब पता चलता हैः आज, जर्नल शब्द मैगज़ीन, अखबार और डेली डेलीज़ के लिए एक निशानी के तौर पर इस्तेमाल होने लगा है। 'पत्रकारिता'—यानी, पत्रकारिता—अखबारों और मैगज़ीन से जुड़े एक प्रोफ़ेशन को दिखाता है, जिसमें न्यूज़ इकट्ठा करना, लिखना, एडिट करना, दिखाना और बांटना शामिल है। आज के ज़माने में, पत्रकारिता कई मीडियम जैसे अखबार, मैगज़ीन, रेडियो, टेलीविज़न, वेब पत्रकारिता, सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल करने के लिए विकसित हुई है। हिंदी में पत्रकारिता का मतलब असल में यही है। इस कॉन्सेप्ट को 'पत्र' (लेटर/पेपर) से 'पत्रकार' (पत्रकार), और आखिर में 'पत्रकारिता' (पत्रकारिता) तक के विकास को देखकर समझा जा सकता है। बृहत् हिंदी शब्दकोष (कॉम्प्रिहेंसिव हिंदी) के अनुसार (हिंदी शब्दकोश), 'पत्र' का अर्थ है कोई चिट्ठी या कागज़ का पन्ना—विशेष रूप से, ऐसा कागज़ जिस पर कुछ लिखा या छापा गया हो; कोई कागज़ या धातु की प्लेट जिस पर किसी लेन-देन से जुड़ा कोई प्रामाणिक लेख (जैसे कि दान-पत्र या ताम्र-पत्र अनुदान) अंकित हो; कोई दस्तावेज़ी रिकॉर्ड जो किसी लेन-देन या घटना के प्रमाण के रूप में काम करे (जैसे कि पट्टा या कानूनी विलेख); या, अंत में, कोई वाहन, सवारी, या समाचार-पत्र।

कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा

लेखक- विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

"खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।"अकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे,समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र "उदन्त मार्तण्ड" का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया। हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। "बनारस अखबार","हिन्दी प्रदीप", "कवि वचन सुधा", "भारत मित्र", "सरस्वती" और "प्रताप" जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का "प्रताप" केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों तक पहुंचा और हिन्दी भाषा देश की सबसे प्रभावशाली मीडिया भाषा बनकर उभरी।हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भाषा और जनसरोकार रहे हैं।हिन्दी ने उन लोगों की आवाज को शब्द दिए, जिनकी पीड़ा अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती थी। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता जनमानस से जुड़ी पत्रकारिता बनी। समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला। प्रिंट मीडिया से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया के युग में सूचना की गति अभूतपूर्व हो गई है।आज मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल न्यूज़ पोर्टल,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों ने समाचारों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब समाचार केवल अखबार के पन्नों तक सीमित नहीं,बल्कि कुछ सेकेंड में देश-दुनिया तक पहुंच जाते हैं।करोड़ों लोग मोबाइल स्क्रीन पर हिन्दी समाचार पढ़ते, सुनते और देखते हैं।आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र बन रहा है और हिन्दी दुनिया की तेजी से बढ़ती भाषाओं में शामिल है।छोटे शहरों और गाँवों से निकल रहे युवा डिजिटल पत्रकारिता में नई पहचान बना रहे हैं। इंटरनेट और तकनीक ने पत्रकारिता को महानगरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गांवों तक पहुँचा दिया है।डिजिटल क्रांति के इस दौर में पत्रकारिता के सामने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं। आज पत्रकारिता का सबसे बड़ा संकट "विश्वसनीयता" का है।फेक न्यूज़,आधी-अधूरी सूचनाएं, टीआरपी की अंधी दौड़,सनसनी खेज प्रस्तुति और एजेंडा आधारित खबरों ने पत्रकारिता की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।कभी मिशन मानी जाने वाली पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा आज बाजारवाद और कॉरपोरेट दबावों के बीच संघर्ष करता दिखाई देता है।"पहले खबरों में तथ्य होते थे,अब तथ्यों में खबर खोजी जाती है।"यह कटु सत्य वर्तमान मीडिया परिवेश की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।डिजिटल युग में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि तेज़ी की प्रतिस्पर्धा में सत्य पीछे छूटता जा रहा है।"सबसे पहले" दिखाने की होड़ में "सबसे सही" दिखाने का दायित्व कमजोर पड़ रहा है।

एशियाई खेल ट्रायल विवाद

विनेश फोगाट को राहत देने वाले हाईकोर्ट फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा WFI

नई दिल्ली। पहलवान विनेश फोगाट को एशियाई खेल 2026 के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति देने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और आलोक अराधे की पीठ शुक्रवार 29 मई 2026 को महासंघ की याचिका पर सुनवाई करेगी। गत 22 मई को उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति देते हुए कहा था कि डब्ल्यूएफआई की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनके जैसी दिग्गज खिलाड़ी पर विचार करने का उसमें कोई

अधिकारी नहीं था। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की महासंघ द्वारा वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। इस दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय ओलंपिक संघ का एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक भी मौजूद होगा।
हाई कोर्ट ने कहा कि चयन ट्रायल्स के लिए तय किए गए मानक पिछली प्रथा से काफी अलग हैं। पिछली प्रथा में एशियन गेम्स के लिए मशहूर खिलाड़ियों के चयन में विशेष अधिकार का प्रावधान था। कोर्ट ने यह भी कहा कि कानून को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मां बनना विनेश फोगाट जैसी महिला एथलीटों को बाहर करने का आधार न बने। हाई कोर्ट ने जोर देकर कहा कि मां बनने को पेशेवर बाधा या ऐसा कोई कारण नहीं माना जा सकता जिसके आधार पर किसी के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाए।

वैभव सूर्यवंशी T20 के डॉन ब्रैडमैन

- ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने की 'बॉस बेबी' की सराहना

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने जो खेल दिखाया, उसके बाद पूरा सोशल मीडिया वैभव मय हो चुका है। खेल जगत, राजनीति, बॉलीवुड हर जगह से सिर्फ इस युवा खिलाड़ी पर ही रिएक्शन आ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया हो, इंग्लैंड हो, वेस्टइंडीज हो हर जगह के धाकड़ खिलाड़ी वैभव की तारीफ में कसीदे पढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने तो इनडायरेक्टली वैभव को टी20 का डॉन ब्रैडमैन कहे डाला। जबकि क्रिस गेल ने वैभव को नई सिक्स मशीन कहते हुए नया नाम दे दिया।

वैभव सूर्यवंशी अ20 के डॉन ब्रैडमैन!- वैभव सूर्यवंशी की 29 गेंद पर 97 रन की पारी के बाद सोशल मीडिया पर रिएक्शन की बाढ़ आ गई। टॉम मूडी ने उनकी बल्लेबाजी के बाद क्रिकइंफो पर बड़ा बयान देते हुए कई बड़ी बातें कहे डालीं। उन्होंने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि उसके खेल को कैसे एक्सप्लेन करूं। सालों पहले या पीछे कई बार अलग-अलग फॉर्मेट में ऐसे खास खिलाड़ी आए हैं।

फीफा विश्व कप

वार्म-अप मैचों से हुए बाहर

नेमार का पहला मैच खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में करिश्मा करने की तैयारी कर रही ब्राजील की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार फॉरवर्ड नेमार का विश्व कप के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है। नेमार वार्म-अप मैचों से भी बाहर हो गए हैं। ब्राजील को रविवार को ब्रासीलिया में पनामा के खिलाफ मैच खेलना है। इसके बाद ब्राजील 5 जून को मिस्र के खिलाफ अपना दूसरा वार्म-अप मैच खेलेगी। इन दोनों मैचों में नेमार के खेलने की संभावना नहीं है। ब्राजीलियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने बताया, 'बुधवार को नेशनल कैंप में शामिल हुए नेमार विश्व कप के पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा नहीं ले पाए। उन्हें अपनी चोटिल दाहिनी पिंडली के लिए और मेडिकल जांच करवानी पड़ी।'

नेमार के स्कैन से ग्रेड 2 की पिंडली की चोट की पुष्टि हुई है। सीबीएफ के मेडिकल विभाग के अनुसार, 'यह वही चोट है जिसने इस फॉरवर्ड खिलाड़ी को 17 मई से खेल से दूर रखा हुआ है। 17 मई को ही उन्होंने आखिरी बार ब्राजील की नेशनल लीग में सैंटोस की ओर से खेलते हुए कोरीटिबा के खिलाफ मैच खेला था। इस मैच में सैंटोस को हार का सामना करना पड़ा था।' सीबीएफ के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इस अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी को ठीक होने में लगभग दो से तीन सप्ताह लगेंगे। इससे विश्व कप में उनके खेलने की उम्मीदें बहुत कम रह गई हैं। नेमार बुधवार को कैंप में पहुंचे और रियो डी जनेरियो के बाहर टेरेसोपोलिस में स्थित पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील के ट्रेनिंग सेंटर में बाकी टीम के साथ शामिल हुए। अंतिम मेडिकल जांच के नतीजों का इंतजार है, लेकिन ऐसा बहुत कम ही लगता है कि नेमार इस रविवार को ब्रासीलिया में पनामा के खिलाफ होने वाले विश्व कप से पहले ब्राजील के पहले वार्म-अप मैच में खेल पाएंगे।

ईएसपीएन ब्राजील ने बुधवार को बताया कि मंगलवार को विला बेलमिरो में कोपा सुदामेरिकाना के एक मैच में सैंटोस को डेपोर्टिवो कुएन्का के खिलाफ 3-0 से जीतते देखने के बाद, नेमार ने वर्ल्ड कप में अपनी उपलब्धता को लेकर जताई जा रही चिंताओं को ज्यादा तवज्जो नहीं दी।

बता दें कि ब्राजील के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले नेमार का करियर पिछले 2 साल से इंजरी की वजह से बुरी तरह प्रभावित है।

एएफसी अंडर-20 एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स में भारत का मुकाबला उज्बेकिस्तान

सीरिया और बांग्लादेश से होगा

कुआलालंपुर। भारत की अंडर-20 पुरुष टीम को एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के ग्रुप बी में रखा गया है। भारतीय टीम उज्बेकिस्तान, सीरिया और बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इसकी घोषणा एफसी हाउस में हुए ड्रॉ के बाद की गई। उज्बेकिस्तान 25 अगस्त से 6 सितंबर, 2026 के बीच अपनी राजधानी

ताशकंद में एक सेंट्रलाइज्ड एकल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में ग्रुप बी की मेजबानी करेगा। इस साल की शुरुआत में घोषित एएफसी युवा प्रतियोगिताओं के नए फॉर्मेट के अनुसार, एएफसी अंडर-20 एशियन कप क्वालीफायर्स में एक दो-चरण वाली प्रणाली शुरू की गई है, जिसमें प्रमोशन और रेलिगेशन का तंत्र शामिल है। क्वालिफिकेशन चरण में, 32 टीमों को चार-चार टीमों के आठ ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से ग्रुप विजेता और सात सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एएफसी अंडर-20 एशियन कप के 43वें संस्करण के लिए आगे बढ़ेंगी। वहीं, प्रत्येक ग्रुप की सबसे नीचे रहने वाली टीम को अगले संस्करण के डेवलपमेंट चरण में भेज दिया जाएगा। आगामी क्वालीफायर्स के डेवलपमेंट चरण के लिए, 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से तीन ग्रुप विजेता और प्रत्येक ग्रुप की दूसरे स्थान पर रहने वाली तीन टीमों को अगले संस्करण के क्वालिफिकेशन चरण में प्रमोट किया जाएगा। टीमों का वरीयता क्रम पिछले तीन संस्करणों (2018, 2023, 2025) में उनके प्रदर्शन और प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों की संख्या के आधार पर तय किया गया था। 20वें स्थान पर मौजूद भारत को क्वालिफिकेशन चरण में पॉट 3 में रखा गया था।

भारत का लक्ष्य 2006 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-20 एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना होगा। 2006 में भारत ने ही इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इस टूर्नामेंट में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में ईरान के साथ संयुक्त विजेता बनना रहा है।
पिछले संस्करण (2025) में, भारतीय टीम गोल अंतर के आधार पर क्वालीफाई करने से मामूली अंतर से चूक गई थी।

हार्दिक की कप्तानी जाना तय

मुंबई इंडियंस से हो सकती है छुट्टी, सीनियर खिलाड़ियों से कोचिंग स्टाफ नाराज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में मुंबई इंडियंस ने 14 में से 10 मैच गंवाए और 9वें नंबर पर रही। इस खराब प्रदर्शन के बाद हार्दिक पंड्या की कप्तानी जाना तय है। टीम से भी उनकी छुट्टी हो सकती है। मुंबई इंडियंस अपने स्क्वाड में बड़े बदलाव करने के लिए तैयारी में है। इसकी शुरुआत कप्तानी से होगी। इंडियन एक्सप्रेस ने मुंबई इंडियंस से जुड़े तीन लोगों से बात की। इस दौरान पता चला कि हार्दिक की कप्तानी जाने की संभावना है। टीम में उनकी जगह पर भी चर्चा हो रही है। इसके अलावा सीनियर खिलाड़ियों से कोचिंग स्टाफ नाराज है। सूत्र ने कहा,'सत्र के दौरान इस बात के काफी संकेत मिले कि टीम मैनेजमेंट उन्हें कप्तान बनाए रखने के लिए उत्सुक नहीं था। टीम में साफ तौर पर चर्चा है।' राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस के सीजन के आखिरी मैच के बाद कोचिंग स्टाफ ने टीम से बातचीत की। सूत्र ने कहा, 'कोचिंग स्टाफ ने सीनियर खिलाड़ियों को यह साफ-साफ बताया कि

वे जहां भी खेलें, उन्हें कोचों की बात माननी होगी। ऐसे कई मौके आए जब कोचिंग स्टाफ ने कुछ ऐसा बताया जो डेटा पर आधारित था, लेकिन खिलाड़ियों ने उसे नहीं माना।'

मुंबई इंडियंस हर विकल्प पर विचार करेगी
आगे क्या होगा? मुंबई इंडियंस के एक पुराने जानकार के अनुसार, 'आने वाले दिनों में इस पर गंभीरता से सोचा जाएगा और चर्चा होगी। हर विकल्प पर विचार होगा। कई सवालों पर ध्यान देने की जरूरत है। आगे चलकर, क्या हार्दिक कप्तान बन रह सकते हैं? क्या वह सिर्फ एक खिलाड़ी के तौर पर टीम में रहेंगे?'

समस्या केवल कप्तानी नहीं
समस्या कप्तानी से भी गहरी है। एक और सूत्र ने कहा, 'हम इस आईपीएल में कुछ ज्यादा सफल टीमों की तरह पावरप्ले का इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। हम समय के साथ आगे नहीं बढ़ पाए हैं।' इस साल प्लेऑफ में जगह बनाने वाली टीमों राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद ने टी20 में बल्लेबाजी को नए तरीके परिभाषित किया। टॉप ऑर्डर ने लगातार 10 रन प्रति ओवर से ज्यादा से रन बनाए।

व्यापार

क्यू-4 रिजल्ट के बाद निवेशक चिंतित, 8 प्रतिशत गिरा डिफेंस कंपनी का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी डिफेंस कंपनी भारत डायनेमिक्स के शेयरों की कीमतों में आज शुक्रवार को 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट कमजोर तिमाही नतीजों की वजह से दर्ज की गई है। शेयरहोल्डर्स के लिए चिंताजनक बात यह है कि एक्सपर्ट्स ने रेटिंग को भी घटा दिया है। बता दें, आज शुक्रवार को बीएसई में भारत डायनेमिक्स के शेयर गिरावट के साथ 1201.75 रुपये के स्तर पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 8 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बादल 1175.05 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया। जनवरी से मार्च तिमाही के दौरान भारत डायनेमिक्स का नेट प्रॉफिट 113.18 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 58.50 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। एक साल पहले इसी चौथी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 272.77 करोड़ रुपये रहा था। रेवन्यू के मोर्चे पर भी अच्छी खबर नहीं है। पिछले वित्त वर्ष की आखिरी तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू 480 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के रेवन्यू में 73 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 1777 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने किया डिविडेंड का ऐलान 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर कंपनी ने 0.40 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। बता दें, कंपनी के लिए सिर्फ मार्च तिमाही ही नहीं पूरा वित्त वर्ष ही निराशाजनक रहा है। ब्रोकरेज हाउस मोतिलाल ओसवाल ने भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की रेटिंग को घटा दिया है। ब्रोकरेज हाउस की तरफ से न्यूट्रल रेटिंग दी गई है। पहले डिफेंस स्टॉक के लिए टारगेट प्राइस 1500 रुपये था। अब यह घटकर 1150 रुपये कर दिया गया है। स्टॉक मार्केट में भी इस कंपनी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 39 प्रतिशत गिरा है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 2096 रुपये और 52 वीक लो लेवल 1090 रुपये है। इस कंपनी का मार्केट कैप 42822 करोड़ रुपये का है। दो साल में शेयरों की कीमतों में 22 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, इस गिरावट के बाद भी तीन साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 127 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

पेनी स्टॉक बना रॉकेट, चुका दी 90 प्रतिशत से ज्यादा उधारी, कर्ज मुक्त होने की है तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक पीसी ज्वैलर रॉकेट सा उड़ गया है। पीसी ज्वैलर के शेयरों में सोमवार को तूफानी तेजी आई है। ज्वैलरी कंपनी के शेयर सोमवार को 11 पर्सेंट से अधिक चढ़कर 10.48 रुपये पर पहुंच गए हैं। पीसी ज्वैलर जल्द ही पूरी तरह कर्ज मुक्त हो सकती है। ज्वैलरी कंपनी ने 90 पर्सेंट से ज्यादा बकाया कर्ज चुका दिया है। पीसी ज्वैलर ने बताया है कि वह कर्ज मुक्त होने की राह पर बढ़ रही है। 31 मार्च 2026 को खत्म हुई तिमाही में पीसी ज्वैलर का मुनाफा 61 पर्सेंट से ज्यादा बढ़ा है। ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर का मुनाफा चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 61.3 पर्सेंट बढ़कर 152.9 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 94.8 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। 31 मार्च 2026 को खत्म तिमाही में पीसी ज्वैलर का रेवेन्यू सालाना आधार पर 32.7 पर्सेंट बढ़कर 927.3 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 699 करोड़ रुपये था। चौथी तिमाही में कंपनी का इबिट्डा सालाना आधार पर 13.4 पर्सेंट बढ़कर 164.5 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, पीसी ज्वैलर का इबिट्डा मार्जिन 17.7 पर्सेंट रहा है। पीसी ज्वैलर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर बलराम गर्ग ने बताया, 'बैंकों के साथ सेटलमेंट एग्रीमेंट होने के बाद से कंपनी ने अब तक अपने बकाया कर्ज का 90 पर्सेंट से ज्यादा चुका दिया है।

रुपये को लेकर क्या बोले सुब्बाराव

रुपये को गिरने दे सरकार, एमपीसी की बैठक से पहले आरबीआई के पूर्व गवर्नर सुब्बाराव का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने कहा है कि केंद्रीय बैंक को बाहरी झटकों से निपटने के लिए रुपये को और अधिक टूटने देना चाहिए।

अगर महंगाई का दबाव बढ़ता है, तो तुरंत ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने के बजाय तरलता प्रबंधन के उपायों पर भरोसा करना चाहिए। सुब्बाराव का यह बयान आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की 3 जून से 5 जू के बीच होने वाली अहम बैठक से ठीक कुछ दिन पहले आया है। इस बैठक में पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और महंगाई पर चर्चा की जानी है। सुब्बाराव ने कहा कि रुपये को मजबूती से बचाने के बजाय उसे बाजार के अनुसार खुद को ढालने की अनुमति दी जानी चाहिए, क्योंकि मौजूदा दबाव भारत के बाहरी संतुलन में आई गिरावट को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एक कमजोर रुपया बाहरी झटकों को सोखने के लिए एक नेचुरल शॉक एब्जॉर्बर की तरह काम करता है। एक्सचेंज-रेट का संकट असल में भरोसे का संकट होता है। अगर निवेशक, आयातक और आम परिवार यह मानने लगें कि रुपया और कमजोर होगा, तो उनका व्यवहार ऐसा हो जाता है जो वास्तव में रुपये को और कमजोर कर देता है।

भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण भारतीय रुपया लगातार दबाव में है। इसी महीने की शुरुआत में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 97.15 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था।

3 बार रिजेक्ट हुआ वीजा तो अमेरिकी दूतावास में अड़ गए थे पिता, आज कानपुर का यह शख्स बना सिलिकॉन वैली का किंग

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 1976 में कानपुर में जन्मे और बिट्स पिलानी से इंजीनियरिंग कर रहे एक छात्र को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में लगातार तीसरी बार स्टूडेंट वीजा देने से मना कर दिया गया। उनके साथ आए पिता ने हार नहीं मानी। उन्होंने लॉबी में तैनात काउंसलर अधिकारी की तस्वीर देखी, समझ गए कि वह लंच पर गए हैं, और वहीं डट गए। उन्होंने तय किया कि वे अधिकारी से मिलकर पूछेंगे कि तीन-तीन विश्वविद्यालयों से कन्फर्म एडमिशन और पूरे दस्तावेज होने के बावजूद उनके बेटे का वीजा क्यों रिजेक्ट किया जा रहा है। पिता की यह जिद काम कर गई और आखिरकार वीजा मिल गया।

करीब आधी सदी बाद वही छात्र आज मेमोरी-चिप क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी का सीईओ है। इनका नाम संजय मेहरोत्रा है। वॉल स्ट्रीट पर छाई एआई की आंधी के दम पर माइक्रोन ने मंगलवार को 1 ट्रिलियन डॉलर (95.71 लाख करोड़ रुपये) के मार्केट कैप के आंकड़े को पार कर लिया। इसके साथ ही माइक्रोन, वॉलमार्ट, बर्कशायर हैथवे और जेपी मॉर्गन चेस जैसे कद्दावर दिग्गजों को पीछे छोड़कर अमेरिका की टॉप 10 मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गई है। सिलिकॉन वैली की यह सबसे अनोखी कहानियों में से एक है। जिस लड़के को अमेरिका ने बार-बार ठुकराया, आज वही देश की सबसे रणनीतिक और महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी कंपनी की कमान संभाल रहा है।

कॉर्पोरेट अमेरिका में 'देसी' दबदबा: संजय मेहरोत्रा अकेले नहीं हैं। उनकी इस कामयाबी ने कॉर्पोरेट अमेरिका के शीर्ष पर भारतीय मूल के दिग्गजों की एक असाधारण तिकड़ी को पूरा कर दिया है। दुनिया की तीन सबसे मूल्यवान टेक्नोलॉजी कंपनियां माइक्रोसॉफ्ट (सत्या नडेला), अल्फाबेट (सुंदर पिचाई) और माइक्रोन (संजय मेहरोत्रा) अब भारतीय मूल के उन अधिकारियों द्वारा चलाई जा रही हैं, जो कभी मिडिल क्लास परिवारों से एक साधारण इंजीनियर के रूप में, माता-पिता के त्याग और कुछ कर गुजरने की ललक के साथ अमेरिका पहुंचे थे।

कैसा रहा तीनों का संघर्ष?: सत्या नडेला हैदराबाद में एक सिविल सर्वेंट (सरकारी अधिकारी) के घर पले-बढ़े। वहीं सुंदर पिचाई चेन्नई के एक साधारण से अपार्टमेंट में बड़े हुए, जहां कभी पूरे परिवार के पास सिर्फ एक रोटरी टेलीफोन हुआ करता था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)